विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 204 | गौतमबुद्धनगर, शनिवार 22 जून 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

वन्य जीव संरक्षण केंद्र बनाने में हो रही

P- 4

मंदिर के दीये से लगी आग, कारोबारी का बेटा जिंदा जला

P- 5

सांसद चंद्रा आर्य ने खालिस्तान समर्थकों को कनाडा की संसद में

P- 6

विदेश मंत्रालय ने किया साफ, हज यात्र के दौरान कम से कम 98 भारतीय

हैप्पी मॉर्निंग

मॉल में बिस्कुट चोरी करते हुए एक खूबसूरत महिला पकड़ी गई और फिर... जज- तुमने बिस्कुट का एक पैकेट चुराया, जिसमें 30 बिस्कुट थे, इसके लिए तुम्हें 30 दिनों की सजा सुनाई जाती है महिला का पति बोला- जज साहब, सूजी का पैकेट भी चुराया है।

शायरी

मत मारो गोलियों से मुझे मैं पहले से एक दुखी इंसान हूँ, मेरी मौत कि वजह यही हैं कि मैं पेशे से एक किसान हूँ

अर्थसार

सेंसेक्स:
77,209.90
-269.03 (0.35%)
निफ्टी:
23,501.10
-65.90

मौसम

अधिकतम : 39 डिग्री से0
न्यूनतम : 31 डिग्री से
सूयोदय रविवार : 5 : 26
सूर्यास्त शनिवार : 7 : 27

सीएसआईआर-यूजीसी-नेट की परीक्षा स्थगित

25-27 जून के बीच होना था एग्जाम; एनटीए ने संसाधनों की कमी को वजह बताया

एनटीए ने शुक्रवार को शाम 8.30 बजे सीएसआईआर-यूजीसी-नेट परीक्षा स्थगित कर दी। यह एग्जाम 25-27 जून के बीच होना था। परीक्षा स्थगित करने की वजह रिसोर्सेस की कमी बताई गई है। साथ ही एनटीए ने कहा कि इस परीक्षा के आयोजन के लिए रिवाइज्ड शेड्यूल की घोषणा जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट csirnet.nta.ac.in पर की जाएगी। दो दिन पहले 19 जून को गड़बड़ियों की आशंका के बाद एनटीए ने यूजीसी-नेट परीक्षा रद्द की थी।

CSIR UGC NET
परीक्षा स्थगित
NATIONAL TESTING AGENCY

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से फिर एक बार इनकार कर दिया है। एक स्टूडेंट ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। स्टूडेंट का कहना था कि 773 कैंडिडेट्स बिना ग्रेस मार्क्स पाए फेल हुए हैं। पूरी परीक्षा रद्द कर दोबारा कराई जाए। 8 जुलाई को केस पर सुनवाई होनी है ऐसे में 6 जुलाई से शुरू हो रही काउंसलिंग भी 2 दिनों आगे बढ़ाई जाए।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि, रीएग्जाम की मांग पर एनटीए से 2 हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है।

एंटी-पेपर लीक कानून लागू

आधी रात को अधिसूचना जारी; पेपर लीक करने पर 3 से 5 साल सजा, 10 लाख तक जुर्माना

दिल्ली। देश में एंटी-पेपर लीक कानून यानी पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, 2024 लागू हो गया है। केंद्र ने शुक्रवार (21 जून) की आधी रात इसकी अधिसूचना जारी की। यह कानून भर्ती परीक्षाओं में नकल और अन्य गड़बड़ियां रोकने के लिए लाया गया है।

इस कानून के तहत, पेपर लीक करने या आंसर शीट के साथ छेड़छाड़ करने पर कम से कम 3 साल जेल की सजा होगी। इसे 10 लाख तक के जुर्माने के साथ पांच साल तक बढ़ाया जा सकता है। परीक्षा संचालन के लिए

नियुक्त सर्विस प्रोवाइडर अगर दोषी होता है तो उस पर 1 करोड़ रुपए तक जुर्माना होगा। सर्विस प्रोवाइडर अवैध गतिविधियों में शामिल है, तो उससे परीक्षा की लागत वसूली जाएगी।

नीट और यूजीसी-नेट जैसी परीक्षाओं में गड़बड़ियों के बीच यह कानून लाने का फैसला बड़ा कदम है। इस कानून से पहले, केंद्र सरकार और जांच एजेंसियों के पास परीक्षाओं में गड़बड़ी से जुड़े अपराधों से निपटने के लिए अलग से कोई ठोस कानून नहीं था।

राष्ट्रपति मुर्मू ने 12 फरवरी को कानून को मंजूरी दी थी

पब्लिक एग्जामिनेशन (प्रिवेंशन ऑफ अनफेयर मीन्स) एक्ट, इसी साल 6 फरवरी को लोकसभा और 9 फरवरी को राज्यसभा से पारित हुआ था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 फरवरी को बिल को मंजूरी देकर इसे कानून में बदल दिया।

इस कानून में संघ लोक सेवा आयोग , कर्मचारी चयन आयोग, रेलवे भर्ती बोर्ड, बैंकिंग कार्मिक चयन संस्थान और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की परीक्षाएं शामिल होंगी। केंद्र के सभी मंत्रालयों, विभागों की भर्ती परीक्षाएं भी इस कानून के दायरे में होंगी। इसके तहत सभी अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती होंगे।

143 मौतें, 41 हजार से ज्यादा बीमार; देशभर में हीटस्ट्रोक से हाहाकार

स्वास्थ्य मंत्रालय के सूत्रों ने शुक्रवार को बताया कि देश के बड़े हिस्से में लंबे समय से चल रही भीषण गर्मी ने कई लोगों की जान ले ली है। इस साल 1 मार्च से 20 जून के बीच 143 लोगों की मौत हुई है और 41,789 लोग संदिग्ध हीटस्ट्रोक से पीड़ित हैं। हालांकि, हीटवेव से मरने वालों की संख्या इससे कहीं अधिक होने की आशंका है, क्योंकि राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) द्वारा राष्ट्रीय हीट-संबंधित बीमारी और मृत्यु निगरानी के तहत संकलित आंकड़ों में राज्यों से अद्यतन जानकारी नहीं है।

कई स्वास्थ्य सुविधाओं ने अभी तक हीटवेव से मरने वालों की संख्या के

बारे में डेटा अपलोड नहीं किया है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 20 जून को ही हीटस्ट्रोक के कारण 14 लोगों की मौत की पुष्टि हुई और संदिग्ध हीटस्ट्रोक के कारण नौ लोगों की मौत हुई, जिससे मार्च-जून की अवधि में मरने वालों की संख्या 114 से बढ़कर 143 हो गई। आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश सबसे अधिक प्रभावित है, जहां 35 लोगों की मौत हुई है, उसके बाद दिल्ली (21) और बिहार और राजस्थान (17-17) का स्थान है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा ने गुरुवार को अधिकारियों से कहा कि वे लू की स्थिति जारी रहने तक केंद्रीय अस्पतालों का दौरा करें, ताकि यह देखा जा सके कि प्रभावित मरीजों के लिए अलग से व्यवस्था की गई है या नहीं और साथ ही पिछले कुछ दिनों में लू लगने से हुई मौतों की संख्या का भी आकलन किया जा सके।

उत्तरी और पूर्वी भारत के कई हिस्से लंबे समय से लू की चपेट में हैं, जिससे लू लगने से होने वाली मौतों में वृद्धि हुई है और केंद्र ने अस्पतालों को ऐसे मरीजों के इलाज के लिए विशेष इकाइयां स्थापित करने का परामर्श जारी किया है। उत्तर और पूर्वी भारत के कई इलाके लंबे समय से लू की चपेट में हैं, जिससे हीट स्ट्रोक से होने वाली मौतों में वृद्धि हुई है और केंद्र ने अस्पतालों को ऐसे रोगियों की देखभाल के लिए विशेष इकाइयां स्थापित करने के लिए सलाह जारी की है।

असम में गंभीर हुई बाढ़ की स्थिति, चार लाख लोग प्रभावित, कई नदियां खतरे के निशान से ऊपर

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति शुक्रवार को भी गंभीर बनी रही। प्रमुख नदियों में पानी खतरे के निशान से ऊपर बह रहा है। बाढ़ से चार लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। राज्य में पिछले कुछ दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण बाढ़ आई है।

इधर, कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने एक्स पर एक पोस्ट में राज्य सरकार से राहत और बचाव कार्यों में तेजी लाने की अपील की। साथ ही मृतकों के स्वजन को मुआवजा देने की मांग भी की है।

अधिकारियों के अनुसार, राज्य की कोपिली, बराक और कुशियारा जैसी

कुछ प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रहीं हैं।

36 लोगों की मौत

राज्य के 19 जिलों में चार लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। करीमगंज में सबसे ज्यादा 2.5 लाख से अधिक लोग प्रभावित हैं। इसके बाद बाढ़ प्रभावितों में दरांग और तामुलपुर का स्थान है। बाढ़, भूस्खलन और तूफान से राज्य में जान गंवाने वालों की संख्या 36 हो गई है।

रिहाई पर रोक — राऊज एवेन्यू स्थित ईडी और सीबीआई की अवकाशकालीन न्यायाधीश नियाय बिंदू ने केजरीवाल को गुरुवार को जमानत दे दी थी

अरविंद केजरीवाल की जेल से रिहाई पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक

एजेंसी

पीठ के समक्ष ईडी का पक्ष अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू, जबकि मुख्यमंत्री का पक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और विक्रम चौधरी ने रखा

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शराब घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले के आरोपी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत देने के यहां की एक विशेष अदालत के आदेश पर शुक्रवार को अंतरिम रोक लगा दी।

न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की अवकाशकालीन एकल पीठ ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से निचली अदालत के श्री केजरीवाल को जमानत देने के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह अंतरिम आदेश पारित किया।

पीठ के समक्ष ईडी का पक्ष अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू, जबकि मुख्यमंत्री का पक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी और विक्रम चौधरी ने रखा।

न्यायमूर्ति जैन ने दोनों पक्षों की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनने के बाद श्री केजरीवाल की जमानत पर अंतरिम रोक लगाते हुए कहा कि इस मामले में अगले दो-तीन दिनों में विस्तृत आदेश पारित किया जाएगा। इस दौरान निचली अदालत के आदेश पर अंतरिम रोक रहेगी।उन्होंने ने कहा, मैं आदेश को दो से तीन दिनों के लिए सुरक्षित रख रहा हूं।

आदेश की घोषणा तक निचली अदालत के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक है। इससे पहले उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन और न्यायमूर्ति रविंदर डुडेजा की अवकाशकालीन पीठ ने ईडी की

अपील पर तत्काल सुनवाई के अनुरोध पर कहा था, जब तक हम इस पर सुनवाई नहीं कर लेते तब तक यह आदेश (जमानत पर जेल से रिहाई का) प्रभावी नहीं होगा।

राऊज एवेन्यू स्थित ईडी और सीबीआई की अवकाशकालीन न्यायाधीश नियाय बिंदू ने केजरीवाल को गुरुवार को बड़ी राहत देते हुए जमानत दे दी थी।

कल देर शाम आए इस आदेश के खिलाफ ईडी ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया और तत्काल सुनवाई की गुहार लगाई।

पीठ के समक्ष ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस वी राजू ने आरोपी मुख्यमंत्री की रिहाई पर रोक लगाने और याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध करते हुए दावा किया कि ईडी को संबंधित निचली अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखने का मौका नहीं दिया गया।

मोदी ने दिल्ली का पानी बंद कर दिया : संजय सिंह

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता एवं सांसद संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा प्रहार करते हुए शुक्रवार को कहा कि दिल्ली की जनता ने जिस दिन से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सभी सात सांसद के जिताए हैं उस दिन से प्रधानमंत्री ने दिल्लीवालों का पानी रुकवा दिया। जलमंत्री आतिशी द्वारा शुरू किए गए 'पानी सत्याग्रह' स्थल पर लोगों को संबोधित करते हुए श्री सिंह ने आज कहा,'' हमारे देश में मान्यता है कि पानी पिलाने से बड़ा कोई पुण्य का काम नहीं होता। इस भीषण गर्मी में हम छोटे-छोटे पक्षियों के लिए अपने घरों पर पानी रखते हैं। हमारे समाज की मान्यता है कि कोई भी

जीव-जंतु प्यासा न रहे और इसके लिए जो भी संभव हो करना चाहिए लेकिन भाजपा के अंदर इतनी क्रूरता और निर्दयता है कि वह दिल्ली में लोगों को पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसा रही है। देश में हर राज्य के लिए पानी की व्यवस्था बनाई गई है। दिल्ली का पानी हरियाणा से आता है और हरियाणा को यह पानी पंजाब से मिलता है।

तमिलनाडु शराब कांड : जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 47 हुई

इनमें से 24 एक गांव के, एक साथ कई चिताएं जलीं; 30 की हालत अब भी गंभीर

कल्लाकुरिची। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब पीने से मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर 47 हो गया है। इनमें से 24 तो एक ही गांव करुणापुरम के थे। 20 जून को सभी मृतकों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। चिकित्सा शिक्षा निदेशक जे. संगुमनी के मुताबिक अभी भी 30 की हालत गंभीर बताई गई है।

उधर, शराब कांड के तीन आरोपियों को 15 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इन्हें कड्डलोर जेल में रखा गया है। तीनों आरोपी 5 जुलाई तक हिरासत में रहेंगे।

जहरीली शराब के कारण अपने बेटे को खोने वाली एक महिला ने रोते हुए बताया कि बेटे को पेट में बहुत दर्द था।

वो ठीक से अपनी आंखें भी नहीं खोल पा रहा था। जब हम उसे अस्पताल लेकर पहुंचे तो शुरुआत में उसे भर्ती भी नहीं किया गया था। कहा गया था कि बेटा नशे में है। बाद में बेटे की जान चली गई। महिला ने आगे कहा कि सरकार को शराब की दुकानें

बंद कर देनी चाहिए। 100 से ज्यादा पीड़ितों का कल्लाकुरिची सरकारी मेडिकल कॉलेज के अलावा दूसरे अस्पतालों में इलाज जारी है। सभी को सांस लेने में दिक्कत, कम दिखाई देने और शरीर में तेज दर्द की शिकायत है।

अन्नामलाई ने शाह को लेटर लिखा, सीबीआई जांच की मांग की कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने कल्लाकुरिची की घटना पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेटर लिखा।

उन्होंने इस मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है। वहीं, राज्य सरकार घटना की जांच सीबीआई से कराने का आदेश दे चुकी है। अन्नामलाई ने लेटर में लिखा, मई 2023 में तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम और चेंगलपट्टू जिले में हुई इसी तरह की घटना में 23 लोगों की जान चली गई थी। पिछले 2 साल में डीएमके सरकार के अप्रभावी शासन के कारण शराब की वजह से 60 से अधिक लोगों की जान चली गई है। इसके साथ ही अन्नामलाई ने राज्य की डीएमके सरकार पर घटना में शामिल होने का आरोप लगाया। कहा कि डीएमके के लोगों की स्थानीय शराब विक्रेताओं से मिलीभगत है। पार्टी के लोगों के इशारे पर अवैध शराब बनाई जा रही है और बेची जा रही है। उन्होंने दावा किया कि शराब बेचने के ठिकाने कोर्ट, पुलिस स्टेशन और अन्य सरकारी कार्यालयों के पास मौजूद है।

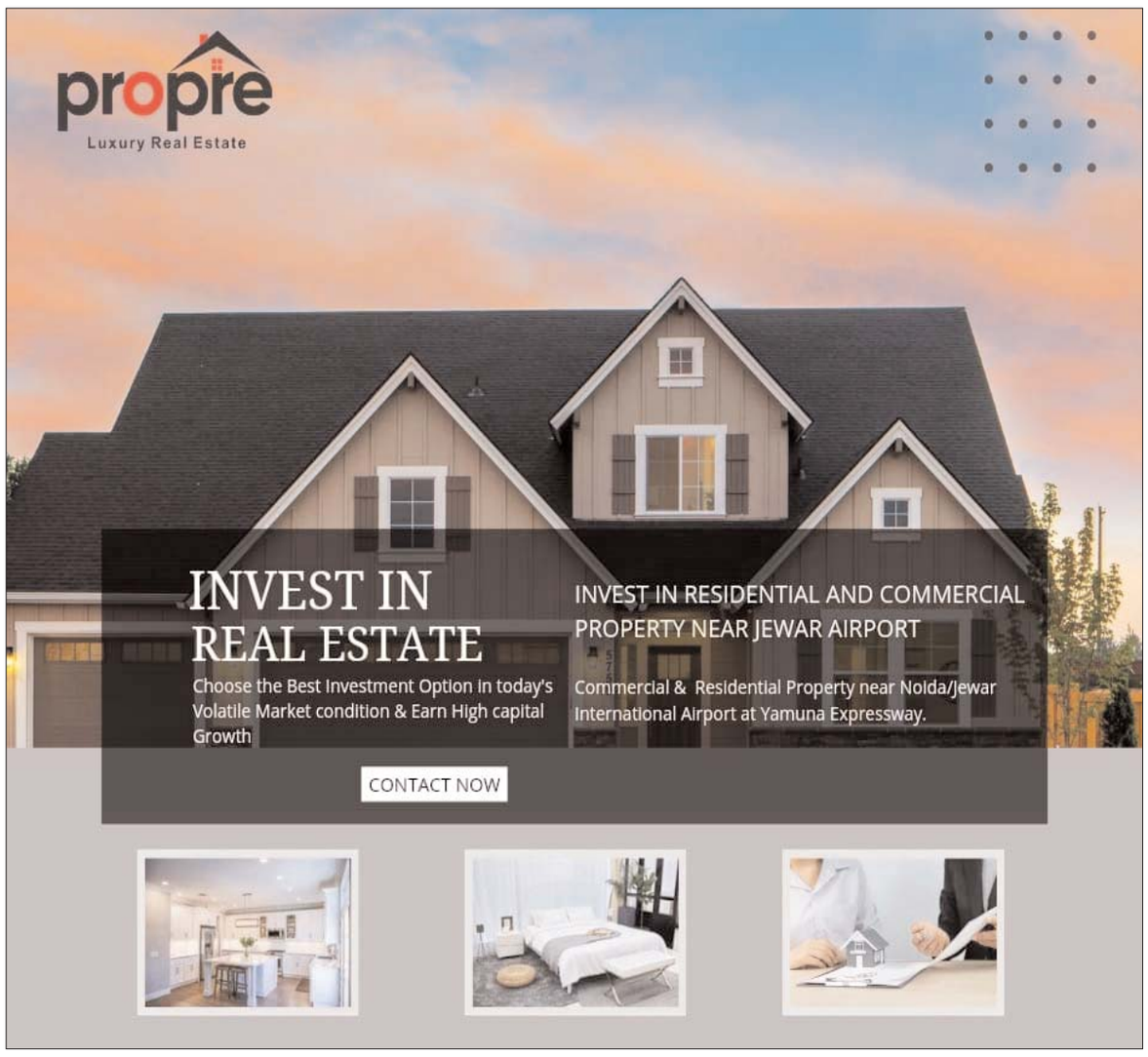

संपादकीय

सच्ची मर्दानगी : जब महिलाएं सुरक्षित महसूस नहीं करतीं, तो आप मर्द नहीं

जिसे समझा था हमने अपना, वो ही बन गया दुश्मन,
जब महिला को सुरक्षा न दे पाए, वो मर्द नहीं, बस एक भ्रम।

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

हमारे समाज में महिलाओं की सुरक्षा एक महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दा है। एक सच्चे मर्द की पहचान उसकी शक्ति से नहीं, बल्कि उसकी संवेदनशीलता और सुरक्षा देने की क्षमता से होती है। अगर कोई लड़की या औरत आपके साथ खुद को सुरक्षित नहीं समझती है, तो यह आपकी मर्दानगी पर सवाल खड़ा करता है।

महिलाओं की सुरक्षा की आवश्यकता

महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा केवल कानून व्यवस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक और सांस्कृतिक ढांचे का भी एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। महिलाओं को हर दिन घर, सड़क, कार्यस्थल और यहां तक कि अपने ही परिवार में भी असुरक्षित महसूस करना पड़ता है। यह स्थिति न केवल हमारे समाज की कमजोरी को दर्शाती है, बल्कि यह हमारी मर्दानगी पर भी एक गंभीर सवाल खड़ा करती है।

सच्ची मर्दानगी की परिभाषा

सच्ची मर्दानगी का मतलब है महिलाओं के प्रति सम्मान, उनकी सुरक्षा और उनकी स्वतंत्रता का संरक्षण। एक सच्चा मर्द वही है जो महिलाओं को अपने बराबर का स्थान दे और उन्हें सुरक्षित महसूस कराए। अगर एक मर्द अपने आसपास की महिलाओं को सुरक्षित महसूस नहीं करा सकता, तो उसकी मर्दानगी केवल नाममात्र की है।

शायरी

मर्द वही है जो हर हाल में रखे इज्जत और सम्मान,
जिसके साथ हो हर नारी, खुद को समझे महफूज़ और सुकून भरा जहान।
अगर ना दे सके सुरक्षा और स्नेह का अहसास,
तो क्या मर्दानगी, वो है बस एक झूठा दावा और विश्वास।

समाज की भूमिका

समाज का हर व्यक्ति इस बदलाव में योगदान दे सकता है। हमें अपनी सोच को बदलना होगा और महिलाओं के प्रति अपने व्यवहार को सुधारना होगा। यह जिम्मेदारी केवल पुरुषों की नहीं है, बल्कि समाज के हर सदस्य की है कि वे महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा का वातावरण प्रदान करें।

कानून और नीतियों का पालन

सरकार और कानून व्यवस्था को भी इस दिशा में सक्रिय कदम उठाने होंगे। महिलाओं की सुरक्षा के लिए कठोर कानून और उनके प्रभावी कार्यान्वयन की आवश्यकता है। इसके अलावा, समाज में जागरूकता फैलाने और महिलाओं के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने के प्रयास किए जाने चाहिए।

पुरुषों की जिम्मेदारी

पुरुषों को यह समझना होगा कि उनकी मर्दानगी केवल शारीरिक शक्ति में नहीं, बल्कि उनके व्यवहार और महिलाओं के प्रति उनके सम्मान में है। उन्हें महिलाओं के साथ सहयोग और समझदारी से पेश आना चाहिए और उनकी सुरक्षा का जिम्मा लेना चाहिए।

प्रेरणादायक दृष्टिकोण

मर्दानगी का मतलब है नारी को मान-सम्मान,
जिसके साथ हो हर महिला, खुद को समझे महफूज़ और सुकून भरा जहान।
अगर ना दे सके सुरक्षा और स्नेह का एहसास,
तो क्या मर्दानगी, वो है बस एक झूठा दावा और विश्वास।

निष्कर्ष

अगर कोई लड़की या औरत आपके साथ खुद को सुरक्षित नहीं समझती है, तो यह आपकी मर्दानगी पर एक गंभीर सवाल है। हमें अपने समाज को ऐसा बनाना होगा जहां हर महिला खुद को सुरक्षित और सम्मानित महसूस करे। सच्ची मर्दानगी का अर्थ है महिलाओं को सम्मान, सुरक्षा और सहयोग प्रदान करना।

जो देता है सम्मान, वही है सच्चा मर्द,
जो रखे महिला को सुरक्षित, उसका है असली गर्व।
अगर न दे सके सुरक्षा का एहसास,
तो मर्दानगी का दावा है बस एक झूठा विश्वास।

आखिर जब परीक्षा में धांधली हो ही रही तो फिर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की जरूरत क्या है ?

कमलेश पांडे

गृह मंत्रालय को भी परीक्षा में गड़बड़ी की यह सूचना साइबर क्राइम यूनिट से मिली थी। इसलिए प्राथमिक स्तर पर गड़बड़ी प्रमाणित होने के बाद ही यह पूरा फैसला लिया गया है। वहीं, मंत्रालय का यह भी कहना है कि परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायतें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को भी मिली थी।

परीक्षा में धांधली कोई नई बात नहीं है, लेकिन आये दिन इसका बदलता स्वरूप उन मेधावी, मेहनती व गरीब छात्रों के लिए चिंता का सबब बन चुका है जिनका सियासत और प्रशासन में कोई गॉड फादर नहीं होता, जो उन्हें घर बैठे सब कुछ सुलभ करवाता रहे! इसलिए जब भी कोई पेपर लीक होता है और परीक्षा रद्द हो जाती है तो सबसे ज्यादा आर्थिक मार इन्हीं कमजोर छात्रों पर पड़ती है। वहीं सर्वाधिक मानसिक पीड़ा ऐसे ही छात्रों को भुगतनी पड़ती है, क्योंकि इस पूरे घटनाक्रम से इनके ही सुनहरे सपने प्रभावित होते हैं।

अब देखिए न, नीट-यूजी में गड़बड़ी का मामला अभी निपटा भी नहीं है कि यूजीसी नेट परीक्षा में धांधली का एक और नया मामला प्रकाश में आया है। इसके बाद आनन-फानन में शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी की पवित्रता बचाने के लिए पूरी परीक्षा ही रद्द कर दी है। साथ ही बताया गया है कि जल्द ही नई तारीख का ऐलान किया जाएगा। यही नहीं, परीक्षा में गड़बड़ी की जांच सीबीआई को सौंप दी गई है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आखिर जब परीक्षा में धांधली हो ही रही है, तो फिर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के गठन का औचित्य क्या है?

खास बात यह है कि यूजीसी-नेट की यह परीक्षा एक रोज पूर्व यानी 18 जून को ही देश भर में आयोजित की गई थी। तब परीक्षा आयोजित कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने इसके सफलता पूर्वक संपन्न होने का दावा किया था। हालांकि, शिक्षा मंत्रालय ने यूजीसी-नेट को रद्द करने का यह फैसला गृह मंत्रालय से मिले उस इनपुट के आधार पर लिया है, जिसमें पेपर लीक होने समेत बड़े स्तर पर गड़बड़ी की सूचना मिली थी।

बताया जाता है कि गृह मंत्रालय को भी परीक्षा में गड़बड़ी की यह सूचना साइबर क्राइम यूनिट से मिली थी। इसलिए प्राथमिक स्तर पर गड़बड़ी प्रमाणित होने के बाद ही यह पूरा फैसला लिया गया है। वहीं, मंत्रालय का यह भी कहना है कि परीक्षा में गड़बड़ी की शिकायतें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को भी मिली थी। जबकि गृह मंत्रालय को भी परीक्षा में गड़बड़ी की यह सूचना साइबर क्राइम यूनिट से मिली थी।

उल्लेखनीय है कि यूजीसी-नेट का जिम्मा भी नीट-यूजी परीक्षा आयोजित कराने वाली एनटीए के पास ही था। यूजीसी नेट 18 जून को देशभर के 317 शहरों में 1205 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित कराया गया था, जिसमें 11 लाख से अधिक छात्रों ने हिस्सा लिया था। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि आखिर में जिस हेराफेरी से बचने के लिए केंद्र में सत्तारूढ़ मोदी सरकार द्वारा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी बनाई गई, जब वह जारी ही है तो फिर इसकी जरूरत क्या है?

क्योंकि नीट-यूजी पेपर लीक प्रकरण पर यदि गौर किया जाए तो प्रथमदृष्टया यही प्रतीत होता है कि नेताओं और अधिकारियों का कोई गुप्त गठजोड़ काम कर रहा है, जिनका मकसद प्रतिभाओं का गलाघोंट कर अपने संपर्क में आने वाले छात्रों को मोटी रकम ले-देकर उपकृत करना है। इस प्रकरण में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के एक निजी सचिव और उसके सम्पर्क में रहने वाले एक सरकारी अभियंता का नाम जिस तरह से उछला है, उससे पूरे प्रकरण की गम्भीरता को समझा जा सकता है।

चाहे बिहार हो या उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश हो या राजस्थान, या फिर इनसे कटकर अलग हुए छोटे-छोटे राज्य, परीक्षाओं में गड़बड़ियां आम बात बन चुकी हैं।

वहीं, आंकड़े बताते हैं कि इन परीक्षा धांधली से जुड़े अधिकांश प्रकरणों में जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ अमूमन कोई कड़ी नजीरी कार्रवाई अबतक नहीं की गई है और न ही उसके लिए कभी कोई कड़े नियम कानून बनाये गए हैं, जिसके चलते ऐसे घाघ लोग प्राय: बच निकलते हैं।

इसलिए यह राष्ट्रीय विमर्श का विषय है कि जब अयोग्य छात्र जुगाड़ तंत्र के सहारे अच्छे और तकनीकी ओहदे तक पहुंच जाएंगे तो फिर वह क्या करेंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। कहीं बहते नवनिर्मित पुल तो कहीं इलाज के दौरान मरता आदमी, इसी बात की तो चुगली करता आया है। आप चाहे जिस भी क्षेत्र में चले जाएं, आरक्षण से नौकरी पाने वाली जमात की अकर्मण्यता की चर्चा वहां खुलकर देखने-सुनने को मिल जाएगी। उसी तरह से आरक्षण के दुष्प्रभाव को कम करने के लिए प्रोत्साहित किये जा रहे निजीकरण के नाम पर भी तमाम उलटबांसी करते लोग मिल जाएंगे, जिनकी करतूतों से यह संवैधानिक तंत्र कराहने लगा है!

बताया जाता है कि इस देश में सामाजिक न्याय के नाम पर अव्वल प्रतिभाओं के साथ जो सुनियोजित अन्याय हुआ, उससे न केवल ब्रेन ड्रेन के मामले बढ़े, बल्कि अमेरिका, रूस, चीन, इंग्लैंड, फ्रांस, जापान आदि ने इन्हीं प्रतिभाओं का सदुपयोग करके वैश्विक दुनियादारी में अपनी अव्वल जगह बना ली और भारत निरंतर पिछड़ता चला गया। यह ठीक है कि मोदी सरकार ने इस स्थिति को बदलने के लिए एक हद तक जद्दोजहद की, लेकिन फलसफा यह निकला कि महज 10 साल में ही सियासी और संवैधानिक बेड़ियों ने उसे भी जकड़ लिया और लगातार दो बार मिले पूर्ण बहुमत की जगह अब यह सरकार भी अल्पमत में आकर गठबंधन सरकार चलाने के लिए अभिशप्त कर दी गई।

सवाल है कि जब पूरी शिक्षा व्यवस्था काफी महंगी और आम आदमी की पहुंच के बाहर हो चली है, तब शिक्षा पात्रता परीक्षा में धांधली और पक्षपात के बीच आम आदमी के घर से निकला प्रतिभाशाली छात्र आखिर किधर जाएगा।यदि ऐसा सुनियोजित भ्रष्टाचार आम छात्रों को कतिपय महत्वपूर्ण अवसरों से दूर कर देगा तो फिर वो आगे क्या करेंगे, अनुमान लगाना कठिन नहीं है। उसी तरह से सरकारी नौकरियों की प्राप्ति में हो रही धांधली और निजी क्षेत्र में नौकरी की उटपटांग व्यवस्था व सेवा शर्तों के बीच पीस रहे आम नौनिहालों के भविष्य के बारे में यदि हम-आप नहीं सोचेंगे, तो सोचेगा कौन? यक्ष प्रश्न है।

इसलिए सरकार और प्रशासन का यह दायित्व है कि वह शिक्षा प्राप्ति से लेकर नौकरी प्राप्ति तक, या फिर कारोबारी दरवाजे खुलने तक पूरे देश में एक समान शिक्षा व परीक्षा प्रणाली लागू करे, जो पारदर्शी और भेदभाव रहित हो।

इसकी सफलता से न केवल राष्ट्रीय एकता की भावना मजबूत होगी, बल्कि देश भी विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानकों पर मजबूत होगा। वहीं, शिक्षा, शैक्षणिक पात्रता परीक्षा व नौकरी पात्रता परीक्षा को केंद्रीकृत किये जाने के बजाय उन्हें विकेंद्रीकृत किया जाए, ताकि पूरे देश के लोग समान रूप से उससे लाभान्वित हो सकें।

बेजुबान जानवरों की भी फिक्र हो

वैश्विक स्तर पर वर्ष 2023 तो सबसे गर्म वर्ष माना ही गया, मगर 2024 में स्थितियां और भी विकट लग रही हैं। भारतीय मौसम विभाग की पूर्व में दी गई चेतावनी सच साबित हो रही है और चरम हीटवेव या गर्म लहरों से भारत का अधिकांश हिस्सा झुलस रहा है।

इस साल दिल्ली कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री के पार पहुंच चुका है। राजस्थान में बीएसएफ के एक जवान द्वारा रेत में पापड़ तलने का वायरल वीडियो सारे देश ने देखा। सेंटर फॉर सांइस ऐंड एन्वॉयरनमेंट(सीएसई) के अनुमान के अनुसार, गर्मी से जून की शुरुआत तक देश में कम से कम 219 लोगों की मौत हो गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में ये गर्म लहरें अब लंबी, तीव्र और लगातार होती जाएंगी। ये विकट परिस्थितियां वन्यजीवों तथा पादप प्रजातियों के लिए भी समान रूप से घातक हैं।?भारत एक उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्र है, जहां जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। यह स्थिति निरंतर गहरा रही है। असहनीय गर्मी से मनुष्यों के साथ ही जीव-जंतुओं की मौतें भी बढ़ रही हैं। हिमालय से लेकर महासागर तक विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार विभिन्न प्रकार की जीव और पादप प्रजातियां रहती हैं। इनमें कुछ जीव और पादप ऐसे हैं, जो अत्यंत ठंडे या बर्फीले इलाके में रहते हैं, तो कुछ ऐसे भी हैं, जो गर्म इलाकों में जीवित रह सकते हैं। लेकिन गर्मी और ठंड के संतुलन की जो प्राकृतिक व्यवस्था है, उसमें गड़बड़ी या असंतुलन हो जाने से जीवधारियों के साथ ही पादपों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है।

गर्मी बेजुबान वन्यजीवों के लिए गंभीर संकट पैदा करती है। कई जानवर, विशेष रूप से वे, जो अत्यधिक गर्मी के अनुकूल नहीं हैं, अधिक गर्मी से पीड़ित होते हैं। अत्यधिक गर्मी से निर्जलीकरण और हाइपरथर्मिया जैसी समस्याओं से उनकी मृत्यु तक हो जाती है। वन्यजीव अक्सर गर्मी से बचने के लिए रात में अधिक सक्रिय हो जाते हैं, जिससे उनके भोजन और सहवास का पैटर्न बाधित हो सकता है। जल स्रोत सूखने से उनके लिए पानी की कमी होती है, जिस कारण जानवरों को पानी की तलाश में लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इससे शिकार और मानव-वन्यजीव संघर्ष का खतरा बढ़ जाता है।

टाईम पास

काकुरो पहेली - 3220

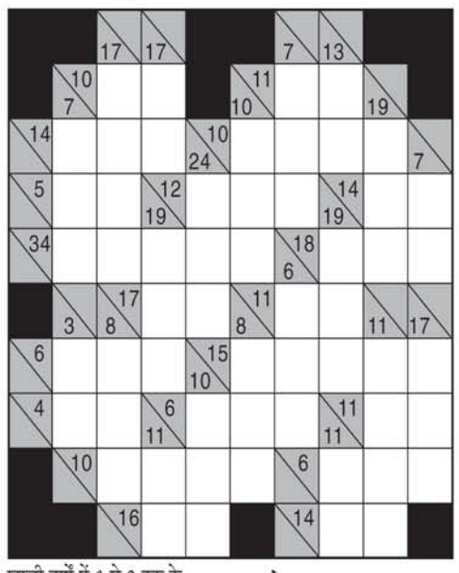

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 3219 का हल

8	14			11	11		10	17
16	7	9	14	5	9	13	4	9
5	1	4	3	1	2	10	2	8
	7	1	4	2	3	2	1	11
		11	8	3	8	4	3	1
	17	8	9	3	2	1	11	2
14	5	9	9	8	1		10	3
7	1	6	10	7	3	12	7	5
	24	7	8	9	17	9	8	
		10	9	1	11	2	9	

हंसी के फव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला-'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो.जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला-'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

□ □ □

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा-'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला-'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला.

वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था-'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

□ □ □

महिला-'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी-'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला-'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3220

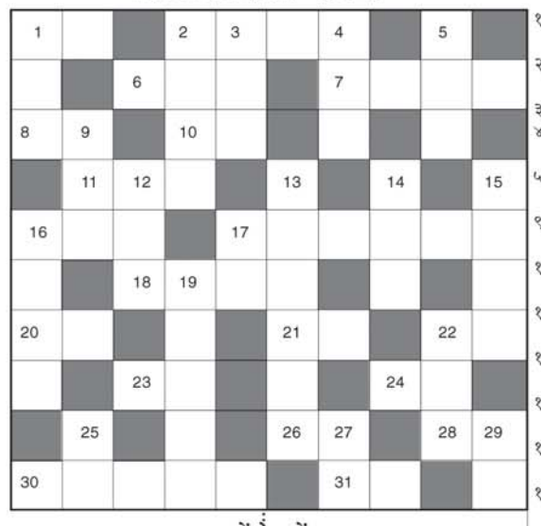

बायें से दायें:-

१. फिल्म 'कर्ज' में नायिका कौन थी-२
२. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था-४
६. फिल्म 'अभय' में दोहरी भूमिका करने वाला नायक -३
७. 'आखिर तुम्हें आना है' गीत वाली फिल्म-४
८. फिल्म 'विश्वनाथ' में शत्रुघ्न सिन्हा के साथ नायिका कौन थी-२
१०. फिल्म 'मैं ने प्यार किया' में सलमान खान की माँ की भूमिका किसने की थी-२
११. हेमा मालिनी वाली फिल्म 'प्रेमनगर' का नायक कौन था?-३
१६. 'मेरे भैया मेरे चंदा' गीत वाली फिल्म-३
१७. संजय, चंद्रचूड़, महिमा चौधरी की फिल्म-२,१,३
१८. 'मेरे दिल ने जो माँगा' गीत वाली फिल्म-४
२०. फिल्म जिसमें राजकपूर का डबल रोल था-२
२१. 'तू कितने बरस की' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२३. ऋषिकपूर, जेबा की 'बेदर्दी तेरे प्यार ने' गीत वाली फिल्म-२
२४. फिल्म 'शोले' में अमिताभ के किरदार का क्या नाम था?-२
२६. फिल्म जगत में राजेश खन्ना का प्रचलित नाम-२
२८. सलमान, रेवती की 'आजा गिव मी ए किस' गीत वाली फिल्म-२
३०.'इस जहाँ की' गीत वाली जैकी, अनु अग्रवाल, नगमा की फिल्म-२,३
३१. लोकप्रिय गीत 'इश्क कमीना' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'बहुत खूबसूरत गजल' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
२. फिल्म 'गदर' में अमीषा पटेल के पिता की भूमिका किसने की थी?-४
३. फिल्म 'निकाह' की नायिका कौन थी-३
४. 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
५. विश्वजीत, राजश्री की ' ना ये जमीं थी ना आसमाँ' गीत वाली फिल्म-३
९. 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१२. 'हम प्यार में जलनेवालों को' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'तुम मुझे यूँ' गीत वाली फिल्म जिसमें शम्मी ने पागल की भूमिका की-३,२,१
१४. 'आला रे पाउस आला' गीत वाली फिल्म-३
१५. बॉबी, टिवंकल खन्ना की 'तेरी अदाओं पे मरता हूँ' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'अच्छा जी मैं हारी' गीत वाली देव आनंद, मधुबाला की फिल्म-२,२
१७. 'रू तू तू दिल में है तू' गीत वाली अक्षय कुमार, रवीना टंडन की फिल्म-२
१९. 'आजा सजन आजा' गीत वाली फिल्म-५
२२. सनी देओल, मीनाक्षी की एक फिल्म-३
२५. संजयदत्त, जैकी, शिल्पा, रवीना की फिल्म-२
२७. 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२९. नाना, पुरू, अनुपमा की 'बहुत खूबसूरत हैं आँखें तुम्हारी' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3219

का	ला	प	त्थ	र		को	ह	रा	
र		ड़े		क्ष	त्रि	य		ही	रा
वाँ		स	ड़	क		ला	वा		खी
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ड्ड	मी	ठ		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	रा	स	त

सूडोकु -3220

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3219 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 3220

बाएँ से दाएँ

1. मरघट,कब्रिस्तान-4
3. पागल,बुद्धिहीन-4
8. भगवान,ईश्वर,खुदा-7
10. डांटना,दुत्कार-3
11. तरुण,किशोर-3
13. ओट,घूँघट-3
15. तपस्या-2
17. पराया,अजनबी-2
18. आनंद,मौज-2
19. सूर्य,भास्कर-2
21. चिंतन,सोच विचार-3
25. वेणी,फूलों की माला जो बालों में लगाते हैं-3
26. वैद्य-3
27. आभास करना-4,3
30. शिव के इस मंदिर को महमूद गजनवी ने कई बार लूटा था-2,2
31. युद्धघोष,आक्रमण, हमला-4

ऊपर से नीचे

2. कवि,गजलकार-3
4. भारत का झंडा-3
5. ईश्वर,भगवान-4
6. गुरुवार-4
7. दुर्जं,पापी,भूत-3
8. शरण,आश्रय-3
9. चांदी-3
12. उत्तराधिकारी-3
13. उत्कृष्ट,प्रधान-3
14. आंचल-3
16. कमल-3
20. रुकना,अंत, ठहराव-3
22. उत्तमता, खूबी (उर्दू-4)
23. बर्दाश्त करना, निभाना-3
24. आय, कमाई-4
25. उष्ण-3
28. पराजित करना-3
29. उपपत्नी,दूसरी पत्नी-3

शब्द पहेली -3219 का हल

रा	ऊ	ल	के	ला			क	स	क	
ह	जं		श		श	त्र	ता		न्या	य
गु			ही	र	क		र			म
ज	ला	व	न			गं		अ	नु	ज
र		च		बे	ल	गा	म		की	
	शा	न		क		ज		ब	ला	
	य		श	रा	र	ल		न्द		त
म	द	द		र			अ	र	मा	न
श			स		शा	य	र			ब
क	म		न	र	म		मा		मा	द
	जा	न	म			म	न	मो	ह	न

वन्य जीव संरक्षण केंद्र बनाने में हो रही लेटलतीफी

वन विभाग की तरफ से प्रोजेक्ट लटका, जेवर एयरपोर्ट के पास होगा निर्माण

गौतम बुद्ध नगर। जीवों को संरक्षित करने के लिए जेवर एयरपोर्ट के पास वन्य जीव संरक्षण केंद्र बनाया जाएगा। जेवर एयरपोर्ट बनाए जाने की घोषणा के बाद से ही इसको बनाने की तैयारी शुरू हो गई। जिसको वन विभाग और यमुना प्राधिकरण मिलकर बनाएंगे।

इसको लेकर यमुना प्राधिकरण जमीन भी उपलब्ध करा चुका है और बजट भी दे चुका है, लेकिन वन विभाग की तरफ से इस मामले में देर हो रही है।

वहीं एयरपोर्ट बनाने वाली ज्यूरिक कंपनी जल्द से जल्द एनिमल रेस्क्यू सेंटर बनाने की मांग कर रही है।

यमुना प्राधिकरण के सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि जेवर में जो अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बन रहा है। उसके आसपास वन्य जीवों को संरक्षित करने के लिए एक वन्य जीव संरक्षण केंद्र बनाना है। इसको लेकर डब्ल्यूईई ने एक स्टडी की थी। उसी स्टडी पर एनिमल रेस्क्यू सेंटर बनाने की योजना बनीं, क्योंकि यहां पर ब्लैक बॉक्स, सारस भी हैं। इन सभी को संरक्षित करना काफी जरूरी है, क्योंकि अगर इनको संरक्षित नहीं किया गया तो यह विलुप्त भी हो सकते हैं।

अगर कभी गलती से ये एयरपोर्ट की बाउंड्री में या रनवे के आसपास आ जाए तो तो बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इसलिए एयरपोर्ट के पास रेस्क्यू सेंटर होना बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि इसको लेकर 10 हेक्टेयर जमीन की जरूरत थी। शासन के निर्देश पर पांच हेक्टेयर जमीन यमुना प्राधिकरण को देनी थी और 5 हेक्टेयर जमीन वन विभाग को देनी थी। यमुना प्राधिकरण ने सितंबर 2023 में 5 हेक्टेयर जमीन दे दी।

यमुना प्राधिकरण के द्वारा 5 करोड़ से ज्यादा रुपया भी वन विभाग को दे दिया गया। वही धनोरी वेटलैंड में साफ सफाई के लिए भी पैसा दिया गया।

अरुणवीर सिंह ने बताया कि जमीन और पैसा देने के बाद भी अभी तक वहां पर कोई कार्य शुरू नहीं हो पाया है। ज्यूरिख कंपनी के द्वारा बार-बार यमुना प्राधिकरण को चिट्ठी लिखी जा रही है और कहा जा रहा है कि एयरपोर्ट बनने जा रहा है लेकिन अभी तक एनिमल रेस्क्यू सेंटर नहीं बनाया गया है।

इसकी वजह से एयरपोर्ट के संचालन में मुश्किल आ सकती और परेशानी होगी।

इस मामले में डीएफओ को भी कई बार कहा गया है लेकिन उनका कहना है कि वह यह प्रस्ताव शासन को भेज चुके हैं लेकिन शासन के स्तर पर मामले में देरी हो रही है।

इस मामले में पैसा भी पूरा दिया जा चुका है और जमीन भी उपलब्ध कराई जा चुकी है। अरुणवीर सिंह ने कहा कि इस मामले में देरी को लेकर सोमवार को शासन स्तर पर बैठक की जाएगी और इस दौरान अनुरोध किया जाएगा की इसे बनाने का कार्य भी यमुना प्राधिकरण को दिया जाए।

10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस शहरभर में हुआ योगाभ्यास

नोएडा। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर शुक्रवार को विभिन्न स्कूल - कॉलेज और संस्थानों द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

जिसमें सेक्टर-62 स्थित एनआईओएस में योग दिवस के मौके पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने योग किया। इसमें संस्था के योग शिक्षक श्ने विभिन्न योग आसन कराकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया।

योग कार्यक्रम का प्रसारण देश भर में एनआईओएस के मीडिया स्टूडियों ई-विद्या टीवी चैनलों और यू-ट्यूब चैनल पर लाइव दिखाया गया। इसमें देश भर के विभिन्न राज्यों में 22 क्षेत्रीय केंद्रो को भी जोड़ा गया। इस मौके पर नोएडा राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान के अध्यक्ष प्रो. सरोज शर्मा ने योग दिवस को मन, चित और शरीरा को समाज एवं ब्रम्हांड से जोड़ने का दिन बताया। इसी के साथ डीएवी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को योग शिविर का आयोजन किया गया। इसमें छात्रों ने योग शिक्षक संदीप के मार्ग दर्शन में सूक्ष्म प्राणायाम, पवन मुक्त, वृक्षासन, उत्तानपाद आसनों को किया। कार्यक्रम में 300 से अधिक विद्यार्थियों ने ऑनलाइन माध्यम से भी भाग लिया तथा स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया द्य विद्यालय की प्रधानाचार्य चित्राकांत ने छात्रों को योग दिवस मनाने के कारण बताते हुए इसे दिनचर्या का हिस्सा बनाने की सलाह दी।

गर्मियों की छुट्टियों के मौके पर शुक्रवार को प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चकर माध्यमिक स्कूलों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें गर्मियों की छुट्टियों में बच्चों-शिक्षक और अभिभावकों को स्कूल में योग कराया गया। इसमें लिए महानिदेशक स्कूल शिक्षा कंचन वर्मा ने आदेश जारी किया गया था।

शार्ट न्यूज़

बच्ची से छेड़छाड़ के दोषी को चार साल के कारावास की सजा

ग्रेटर नोएडा। जिला न्यायालय की अपर सत्र विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो) की कोर्ट ने बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में दोषी चार साल के कारावास की सजा सुनाई है। दोषी पीड़िता का रिश्ते में मामा लगता है। घर पर बच्ची अकेली थी, तभी आरोपी ने अंजाम दिया। कोर्ट ने दोषी पर 10 हजार रुपये के अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड की धनराशि जमा नहीं करने पर दोषी को एक माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। विशेष लोक अभियोजक चवनपाल भाटी ने बताया कि वर्ष 2017 में पीड़ित बच्ची के पिता ने सेक्टर-49 कोतवाली में मामला दर्ज कराया था। आरोप था कि चार अक्तूबर को उनकी बेटी घर पर अकेली थी। बच्ची की मां बाजार गई थी। तभी वहां पर बांदा के सुहाना निवासी प्रेमदीप पहुंचा। उसने बेटी के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। तभी एक महिला घर पर पहुंच गई और बच्ची को बचा लिया। आरोपी बच्ची का मामा लगता है।

रवि काना की पुलिस ने मांगी रिमांड

ग्रेटर नोएडा। स्क्रैप माफिया रवि काना से वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ करने के लिए पुलिस ने अदालत से अनुमति मांगी है। इस रिमांड पर अदालत में 26 जून को सुनवाई होनी है। माफिया रवि काना से पूछताछ कर उसके गैंग, मददगारों और काले धंधे में लिप्त लोगों तक पुलिस पहुंचना चाहती है। जेल में बंद रवि काना वाले मामले में कमिश्नर कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने छह लोडर ट्रक को जब्त कराया है। जब्त की गई संपत्ति अनुपयोगी अवस्था में थे। इस मामले में पुलिस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से काना की रिमांड मांग रही है। अगर अदालत में यह अर्जी स्वीकार होती है तो पुलिस को उसकी रिमांड मिलेगी और पुलिस वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उससे पूछताछ कर सकेगी। स्थानीय स्तर पर स्क्रैप माफिया की सभी जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं।

नगर निगम टीम और व्यापारियों में टकराव

गाजियाबाद। गाजियाबाद की मार्केट में शुक्रवार को पॉलिथीन जब्त करने पहुंची नगर निगम प्रवर्तन दल की टीम और व्यापारियों में झड़प हो गई। इस दौरान किसी ने पत्थर मार दिया, इस हमले में प्रवर्तन दल में शामिल सुरक्षाकर्मी का सिर फूट गया। इसके बाद सुरक्षाकर्मियों ने व्यापारियों पर लाठियां फटकार दी। इससे अक्रोशित सैकड़ों अपनी अपनी दुकानें बंद करके थाने पर पहुंच गए हैं। दोनों तरफ से मुकदमा दर्ज कराने की मांग की जा रही है। सिहानी गेट क्षेत्र की सब्जी मंडी में दुकान चलाने वाले विकास ने बताया, शुक्रवार को नगर निगम का प्रवर्तन दल मार्केट में आया। मेरी दुकान से उन्होंने करीब तीन किलो पॉलिथीन जब्त की। फिर मुझसे 25 हजार रुपए मांगे। 10 हजार रुपए में मामला सेटलमेंट हो गया। फिर भी हमारी चालान की रसीद काट दी। हमने विरोध किया तो उन्होंने पापा को लाठियां मारी। इस घटना के बाद वहां तमाम व्यापारी इकट्ठा हो गए। आरोप लगाया कि नगर निगम की टीम इस अभियान की आड़ में पैसा वसूल रही है और व्यापारियों से अभद्रता कर रही है। नोकझोंक के बीच ही किसी ने नगर निगम की टीम पर पत्थर बरसा दिए। एक पत्थर प्रवर्तन दल के सुरक्षाकर्मी को लगा और उसके सिर से खून बहने लगा।

बाबा साहेब पर टिप्पणी, एफआईआर

गाजियाबाद। गाजियाबाद में वॉट्सएप ग्रुप में एक शख्स ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। पार्षद ने इस मामले में थाना विजयनगर में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। साइबर क्राइम सेल से भी जांच कराई जा रही है। विजयनगर वार्ड-3 के पार्षद भगवत स्वरूप उर्फ भारत गौतम ने बताया कि लक्ष्य ट्रेडिंग कंपनी नाम से एक वॉट्सएप ग्रुप बना है। इसमें टीके चौहान नामक व्यक्ति ने बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का अभद्र चित्र डालते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की है। पार्षद ने कहा कि इससे बाबा साहेब के अनुयायी और देशभर के सम्मानित नागरिकों में आक्रोश है। धीरे-धीरे ये फोटो अन्य कई ग्रुप में वायरल हो गया। जिसके बाद लोगों ने आपत्ति दर्ज करानी शुरू कर दी। इस मामले में शुक्रवार को पार्षद भगवत रूप कई लोगों के साथ थाना विजयनगर में पहुंचे और टीके चौहान के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। उन्होंने पुलिस से कहा कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार किया जाए। तहरीर के आधार पर आरोपी टीके चौहान के खिलाफ धारा 505 507 और 87ए के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

आईपीओ और शेयर बाजार में निवेश का झांसा देकर सात लाख ठगे

नोएडा। साइबर अपराधियों ने घर बैठे ऑनलाइन नौकरी करके लाखों कमाने का झांसा देकर ग्रेटर नोएडा के रहने वाले एक युवक के साथ सात लाख रुपये की ठगी कर ली है। जालसाजों ने पीड़ित को व्हाट्सऐप ग्रुप में जोड़कर ठगी की वारदात को अंजाम दिया है। इसको लेकर उन्होंने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया है।पुलिस को दी गई शिकायत में विकास शर्मा ने बताया कि उनके पास कुछ समय पहले व्हाट्सऐप पर मैसेज आया, जिसमें ऑनलाइन ट्रेडिंग करके लाखों रुपये कमाने की बात कही गई थी। उन्होंने जब उक्त व्हाट्सऐप नंबर पर बात की तो उनको ग्रुप में जोड़ दिया गया। इसके बाद उनको कुछ टास्क दिए गए, जिसको उन्होंने पूरा कर दिया। इस दौरान उनको कुछ फायदा हुआ। इसके बाद आरोपियों ने अगले टास्क में ऑनलाइन ट्रेडिंग करने के लिए कहा। विकास ने बताया कि जालसाजों के झांसे में आकर उन्होंने कई नामी कंपनियों के शेयर और आईपीओ में निवेश किया। शेयर बाजार को लेकर उनको जालसाज ऑनलाइन लेक्चर भी देते थे। वे कंपनी के बारे में और शेयर बाजार से जुड़ी सारी जानकारी देते थे। उन्होंने जिन कंपनियों में निवेश किया था, जालसाजों ने उनके दस्तावेज भी उपलब्ध कराए।

काम के बहाने बुलाकर किशोरी से दुष्कर्म

नोएडा। फेज तीन थाना क्षेत्र स्थित गांव में रहने वाले व्यक्ति ने 14 वर्षीय किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। गर्भवती होने पर किशोरी की मां को इसकी जानकारी हुई। किशोरी की मां ने आरोपी को नामजद करते हुए फेज तीन थाने में केस दर्ज कराया है। केस दर्ज होने के बाद से आरोपी फरार है। पुलिस की टीम उसकी तलाश कर रही है।किशोरी की मां ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह आरोपी साहिल कुमार के यहां काम करने जाती थी। जब उनकी तबीयत खराब हुई तो साहिल ने बेटी को काम पर भेजने को कहा। साहिल के कहने पर उन्होंने अपनी बेटी को काम करने के लिए भेजना शुरू किया। इसी बीच आरोपी साहिल ने उसकी मजबूरी का फायदा उठाकर किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। यही नहीं, आरोपी किशोरी को धमकाकर लंबे समय से उसके साथ दुष्कर्म करता रहा। आरोपी ने घर पर किसी को इस बारे में बताने पर किशोरी को जान से मारने की धमकी भी दी थी। जब किशोरी तीन माह की गर्भवती हो गई तो उसने परिजनों को इस बात की जानकारी दी। आरोपी की पत्नी एक निजी कंपनी में काम करती है। सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुत्तों के हमले में महिला बुरी तरह घायल

गाजियाबाद जिले में कुत्तों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला राजनगर एक्सटेंशन स्थित केडीपी ग्रैंड सवाना सोसाइटी का है, जहां हाउस कीपिंग स्टाफ की एक महिला को 10-12 कुत्तों के झुंड ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। महिला के पेट, जांघ, कमर, छाती और प्राइवेट पार्ट तक पर कुत्तों ने बुरी तरह काट दिया। हिंसक कुत्तों ने महिला के कंधों तथा अन्य हिस्सों से मांस तक बाहर निकाल दिया, जिसके बाद गंभीर रूप से घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। झट्ठराजनगर एक्सटेंशन स्थित केडीपी ग्रैंड सवाना सोसाइटी में 35 वर्षीय प्रमिला पिछले 7-8 साल से हाउस कीपिंग का काम करती हैं। शुक्रवार की शाम लगभग 4: 30 बजे वह कूड़ा इकट्ठा कर फेंकने गई थीं। कूड़ा फेंककर जैसे ही वह बेसमेंट में पहुंची अचानक तीन कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया जिससे वह जमीन पर गिर पड़ीं। जमीन पर गिरते ही 7-8 कुत्ते और दौड़कर वहां आए और उस पर टूट पड़े।

ग्रेटर नोएडा में 1 घंटे तक फंसी रही लिफ्ट

मां-बेटी हुई परेशान, पंचशील हाईनिश सोसाइटी का मामला

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में लिफ्ट अटकने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला पंचशील हाईनीस सोसाइटी में देखने को मिला। जब अचानक से एक लिफ्ट अटक गई। इस लिफ्ट के अंदर मां बेटी फंस गए और करीब 1 घंटे तक वह लोग इसी लिफ्ट के अंदर फंसे रहे। मेंटेनेंस विभाग के लोग लिफ्ट खोलने की कोशिश करते रहे लेकिन वह लिफ्ट को खोल नहीं पाए। जब बाद में एक इंजीनियर को बुलाया गया तो उसने लिफ्ट को खोला।

लिफ्ट का दरवाजा नहीं खुला

ग्रेटर नोएडा वेस्ट की पंचशील हाईनिश सोसाइटी के 12वें फ्लोर पर रहने वाले मनीराम गुप्ता ने बताया कि गुरुवार रात में उनकी पत्नी सीमा और बेटी अपने फ्लैट से नीचे लिफ्ट द्वारा ग्राउंड फ्लोर पर जा रहे थे। जैसे ही वह लोग ग्राउंड फ्लोर पर पहुंचे, अचानक से लिफ्ट में झटका लगा और लिफ्ट अटक गई। लिफ्ट का दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद लिफ्ट के अंदर बंद मेरी पत्नी और बेटी काफी घबरा गए। उन्होंने इमरजेंसी बटन को भी दबाया और शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद वहां पर मौजूद मेंटेनेंस विभाग के लोग पहुंचे लेकिन वह लोग भी लिफ्ट को नहीं खोल पाए।

लिफ्ट बंद होने की वजह से उसमें काफी सफोकेशन होने लगा। जिससे कि मेरी पत्नी और बेटी को परेशानी होने लगी। वहां पर मौजूद लोगों के द्वारा लिफ्ट को लगातार खोलने की कोशिश की जा रही थी लेकिन किसी से भी वह लिफ्ट नहीं खुली।

यूपी रेरा का ग्रेटर नोएडा में बड़ा एक्शन

नामी बिल्डर का दफ्तर सील, 1.50 करोड़ रुपये नहीं देने पर हुआ एक्शन

यूपी रेरा के बकाया को लेकर जिला प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस क्रम में सदर तहसील की टीम ने एक प्रमुख बिल्डर के कार्यालय को सील कर दिया। जयदेव बिल्डर पर 1.50 करोड़ रुपये का बकाया था। कई बार नोटिस जारी करने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। स्थानीय निवासियों और निवेशकों ने इस कदम का स्वागत किया है, उम्मीद जताते हुए कि इससे रियल एस्टेट क्षेत्र में अनुशासन बढ़ेगा।

पिछले वर्ष 3277 बिल्डरों के खिलाफ एक्शन

यूपी रेरा ने पिछले वर्ष 3277 बिल्डरों के खिलाफ 1302 करोड़ रुपये की रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) जारी की थी। दिसंबर तक केवल 98.59 करोड़ रुपये की वसूली हो पाई थी। चुनाव आचार संहिता के कारण कार्रवाई रुकी थी, अब फिर से शुरू हो गई है। पूरे गौतमबुद्ध नगर जिले में दादरी तहसील में सबसे अधिक बकायेदार बिल्डर है। यह कार्रवाई उन व्यापक प्रयासों का हिस्सा है, जिन्हें जिला प्रशासन यूपी रेरा के बकाया की वसूली के लिए कर रहा है।

173 आरसी से 98.59 करोड़ रुपये वसूली

सदर तहसील की टीम ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जयदेव बिल्डर के कार्यालय को सील कर दिया। यह कार्रवाई यूपी रेरा के 1.50 करोड़ रुपये के बकाया को न चुकाने के कारण की गई। प्रशासन ने बताया कि बिल्डर को कई बार नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उसने भुगतान करने से इनकार कर दिया। पिछले वर्ष यूपी रेरा ने 3277 बिल्डरों के खिलाफ कुल 1302 करोड़ रुपये की रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) जारी की थी। हालांकि, दिसंबर तक प्रशासन केवल 173 आरसी से 98.59 करोड़ रुपये ही वसूल कर पाया था।

अब बकायेदार बिल्डरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी

चुनाव आचार संहिता लागू होने के कारण वसूली की प्रक्रिया बाधित हो गई थी। लेकिन अब प्रशासन ने फिर से कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों के अनुसार, दादरी तहसील में सबसे अधिक बकायेदार बिल्डर हैं। यह कार्रवाई रियल एस्टेट क्षेत्र में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के यूपी रेरा के प्रयासों का हिस्सा है। प्रशासन का कहना है कि वे सभी बकायेदार बिल्डरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेंगे ताकि नियमों का पालन सुनिश्चित किया जा सके। इस मामले में आगे की कार्रवाई पर नजर रखी जा रही है।

1000 वर्ग मीटर भूखंड आवंटन के फैसले को आयोग ने सही ठहराया

ग्रेटर नोएडा। ग्रेनो प्राधिकरण के एक हजार वर्ग मीटर का भूखंड महेश मित्रा को आवंटन करने के फैसले को जिला उपभोक्ता आयोग ने सही ठहराया है। आयोग ने मामले को निष्पादन कर दिया है। वहीं, मामले में उच्च न्यायालय के स्टे को बहाल रखा है।

महेश मित्रा बनाम ग्रेनो प्राधिकरण के मामले में राष्ट्रीय उपभोक्ता आयोग ने अपने आदेश में 30 मई 2014 में 500 से 2500 वर्ग मीटर की सीमा के अंदर क्षेत्रफल का प्लाट आवंटित करने का आदेश दिया था। प्राधिकरण ने 9 अगस्त 2023 को 1000 वर्ग मीटर का भूखंड आवंटित कर दिया। ग्रेनो प्राधिकरण की औपचारिकताएं पूरी करके कब्जा लिया जा सकता है। महेश मित्रा ने आपत्ति दी थी कि प्राधिकरण ने आयोग के आदेश का पालन नहीं किया। जबकि 2500 वर्ग मीटर के प्लाट के लिए प्राधिकरण को स्वयं सहमति दी थी कि ऑटोमोबाइल कार्यशाला लगाने की जरूरत है। प्राधिकरण ने 2500 वर्ग मीटर का प्लाट न देकर केवल 1000 वर्ग मीटर का प्लाट आवंटित किया है। आयोग ने अपने आदेश में ऑटो मोबाइल कार्यशाला लगाने के बिंदु पर भी विचार किया है। इसके बाद ही 500 से 2500 वर्ग मीटर का भूखंड देने का आदेश दिया है। इस पर विचार करते हुए प्राधिकरण ने एक हजार वर्ग मीटर का भूखंड आवंटित करने का आदेश दिया। वहीं, दूसरी और महेश मित्रा आयोग के आदेश से संतुष्ट नहीं है। उनका कहना है कि लंबे समय से न्यायालय के चक्कर लगाने के बाद भी उनको अभी न्याय नहीं मिला है।

गाजियाबाद में हिंडन नदी में कूदी युवती

गाजियाबाद। गाजियाबाद में शुक्रवार को भाई से नाराज होकर एक युवती हिंडन नदी में कूद गई। एनडीआरएफ की टीम ने हिंडन नदी में सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है, लेकिन युवती का अभी कोई पता नहीं चल सका है। इंदिरापुरम सर्किल के एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया- शुक्रवार सुबह 11 बजे थाना कौशांबी को सूचना मिली कि वैशाली चौकी क्षेत्र निवासी 20 वर्षीय पूजा सिंह ने हिंडन नदी की 5/6 की पुलिया पर आकर छलांग लगा दी है। इस सूचना पर पुलिस ने प्राइवेट गोताखोरों को लगाकर जांच शुरू कराई। सफलता नहीं मिलने पर पुलिस ने एनडीआरएफ को सूचित किया।

आंधी ने गिराया दिन का पारा, कुछ इलाकों में हुई बूंदाबांदी

नोएडा। मानसून की आहट के बीच मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को दोपहर तक गर्मी बने रहने के बाद करीब तीन बजे मौसम ने यूटर्न लिया। तेज आंधी के बाद आसमान में बादल छा गए। कुछ जगहों पर बूंदाबांदी भी हुई। ऐसे में दोपहर के समय तापमान में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि मौसम विभाग 25 जून तक गर्मी से राहत नहीं मिलने का पूर्वानुमान दे रहा है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 28.7 डिग्री रहा। इसकी वजह से रात के समय गर्मी से मामूली राहत मिली। वहीं, दिन के समय भी आंधी और बूंदाबांदी से अधिकतम तापमान करीब 40 डिग्री बना रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि शनिवार को भी बादल छाए रहेंगे।

इसके उलट गर्मी से राहत मिलती नहीं दिख रही है। शनिवार और रविवार को लू चलने का पूर्वानुमान मौसम विभाग ने दिया। इस बीच अधिकतम तापमान 43 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री रहेगा। 25 जून को दोपहर के बाद बादल छाने के अलावा बूंदाबांदी की संभावना बन रही है। वहीं, 26 जून से बारिश शुरू होने का पूर्वानुमान मौसम विभाग दे रहा है।

निजी गाड़ियों में हूटर मिला तो केस दर्ज होगा

एजेंसी

नोएडा। निजी गाड़ियों में हूटर, काली फिल्म, लाल-नीली बत्ती और बदलाव कर नंबर प्लेट में लगाई तो दुकानदार पर एफआईआर दर्ज होगी। यातायात पुलिस ने शुक्रवार को सेक्टर-16 कार मार्केट में उपकरण बेचने वाले दुकानदारों को माइक पर घोषणा कर इसकी जानकारी दी गई।

डीसीपी यातायात अनिल कुमार यादव ने कहा कि निजी वाहनों पर काली फिल्म, सायरन-हूटर, लाल और नीली बत्ती लगाना प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कई लोग इसे अपनी गाड़ी में लगवाते हैं।

दुकानदार यदि कार में इसे नहीं लगाएंगे तो वाहन मालिकों के लिए इन्हें लगवाना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि अभियान के दौरान किसी भी वाहन पर प्रतिबंधित चीजे लगी मिली और वाहन चालक ने जिस दुकान से इसे लगवाया है, इसकी पुष्टि की तो पहले नोटिस और इसके बाद भी नहीं मानने पर दुकानदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि यही कारण है कि पहले दुकानदारों को चेतावनी दी जा रही है। डीसीपी यातायात ने कहा कि दुकानदारों को एक रजिस्टर रखना होगा, जिसमें यदि किसी व्यक्ति की गाड़ी में प्रतिबंधित सामान लगाया गया है, उनका नाम और पूरा पता लिखना होगा।

उन्होंने कहा कि सरकारी गाड़ियों पर यह नियम नहीं लागू है। ऐसे वाहनों के जांच अभियान चलाकर लगातार चालान किए जा रहे हैं।

गाजियाबाद रेप-सुसाइड केस, बिना आईडी प्रूफ कमरा दिया

होटल में इसी बात के ज्यादा पैसे लिए गए, क्राइम स्पॉट सील किया गया

गाजियाबाद। गाजियाबाद में 13 साल की छात्रा ने रेप के बाद सुसाइड कर लिया। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गुरुवार को जेल भेजा। इसमें रेप का आरोपी और होटल मालिक का सगा भाई शामिल है। इन्होंने आरोपी लड़के से ज्यादा पैसे वसूले।

बिना आईडी प्रूफ के कमरा दे दिया। फिलहाल, होटल के उस कमरे को सील कर दिया गया है, जहां वारदात हुई। बाकी विभागों ने भी अब होटल के बारे में जांच शुरू कर दी है।

कस्बा मोदीनगर में रहने वाली 13 वर्षीय छात्रा की दोस्ती कुछ दिनों पहले इंस्टाग्राम पर मोदीनगर के ही हिमांशु सोनी नामक लड़के से हुई थी। हिमांशु ने मंगलवार शाम छात्र को मिलने के बहाने बुलाया और उसे तहसील के सामने एक होटल पर ले गया।

आरोप है कि होटल के कमरे में हिमांशु ने छात्रा से जबरन रेप किया।

छात्र ने विरोध किया तो आरोपी ने पिटाई कर दी। इसके बाद वह जान से मारने की धमकी देकर वहां से फरार हो गया। अगले दिन यानि बुधवार को पीड़िता ने घर के अंदर फांसी लगाकर जान दे दी।

आरोपी और होटल मालिक भाई जेल भेजे

गुरुवार को पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी हिमांशु सोनी सहित होटल मालिक भाइयों अंकित और आशीष को जेल भेज दिया।

दोनों भाइयों के पिता मोदीनगर की स्थरूकोर्ट में संविदाकर्मी के रूप में कार्यरत हैं।

पता चला है कि एक साल पहले भी अंकित पर एक लड़की से छेड़खानी करने का आरोप लगा था। हालांकि, पिता के रसूख के चलते वो मामला निपट गया था। आशीष का सैलून भी है। आशीष का भी इसी तरह का कुछ विवाद पूर्व में हुआ था।,

होटल मालिकों का पिता एसडीएम कोर्ट में है तैनात

दोनों आरोपियों के पिता एसडीएम कोर्ट में काम करते हैं, इसलिए पुलिस आज तक इस होटल पर कोई एक्शन नहीं ले पाई।

जबकि इस होटल में अनैतिक काम होने की शिकायतें कई बार पुलिस मिलती रही हैं। लेकिन अब इस होटल में रेप होने और पीड़िता के सुसाइड करने की घटना के बाद पूरा पुलिस प्रशासन हरकत में आ गया है। अग्निशमन, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण सहित अन्य विभागों ने जांच शुरू कर दी है कि इस होटल पर सभी एनओसी हैं या नहीं। कहा जा रहा है कि जल्द ही इस होटल पर और बड़ी कारवाई हो सकती है।

मंदिर के दीये से लगी आग, कारोबारी का बेटा जिंदा जला

आगरा में पिता को लपटों से बचाया, फिर अंदर गया और लौटा नहीं; मां ऑस्ट्रेलिया में

आगरा। आगरा में कारपेट कारोबारी केजी वशिष्ठ का इकलौता बेटा भारत जिंदा जल गया। गुरुवार आधी रात उनके 3 मंजिला मकान में आग लगने के बाद धुआं भर गया, तो परिवार को जानकारी हुई। आग की लपटों से बचते हुए भारत पिता को बाहर ले आए। पड़ोसियों से कहा- पापा को संभालिए। मैं बस 2 मिनट में अंदर से आया। इसके बाद वह दोबारा घर के अंदर दाखिल हुए।

तभी घर में सिलेंडर के धमाके हुए। भारत तेज लपटों में फंस गए। इससे उनकी जलकर मौत हो गई। भारत 35 साल के थे। आग 4 घंटे बाद बुझाई जा सकी। पुलिस अंदर गई, तो भारत के शरीर के कुछ ही हिस्से मिले। बाकी जल गए थे। कंबल में शव को बटोरकर पुलिस पोस्टमॉर्टम के लिए ले गई। हादसे के वक्त पिता-पुत्र घर में थे। भारत की बहन ऑस्ट्रेलिया में रहती हैं। उनकी मां वहीं पर हैं। सूचना दी गई है।

रात 12:15 बजे लगी थी आग

पूरा मामला आगरा के सदर इलाके का है। यहां कावेरी विहार में रहने वाले केजी वशिष्ठ का कारपेट का कारोबार है। वह गुरुवार रात अपने बेटे भारत वशिष्ठ के साथ घर में थे। रात करीब 12.15 बजे आग लगी, तो पड़ोसियों ने पुलिस और फायर ब्रिगेड बुलाई। फायर ब्रिगेड की गाड़ी और पुलिस कावेरी विहार पहुंचे। तब तक घर पूरी तरह से आग की लपटों में घिर चुका था। फायर कर्मचारियों ने बताया- ये आग मंदिर में रखे दीपक से भड़की थी। जब भारत दोबारा घर के अंदर गया, तब तक आग रसोई तक पहुंच चुकी थी। वहां रखे सिलेंडर में धमाका हुआ। इसके बाद आग और बेकाबू हो गई। भारत इसी में फंस गया। आग पूरी तरह ठंडी होने के बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ियां शुक्रवार सुबह गईं। पड़ोसियों ने बताया- सिलेंडर के धमाके के बाद आसपास के लोग दहशत में आ गए थे।

कानपुर में तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को उड़ाया : एक की मौत, 3 की हालत गंभीर

कानपुर। कानपुर के बिठूर कल्याणपुर रोड पर गुरुवार देर रात हरियाणा नंबर की कार ने ई-रिक्शा को उड़ा दिया। कार इतनी तेज रफ्तार में थी कि हादसे में ई-रिक्शा सवार मध्यप्रदेश के गंगाराम की मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। भीड़ ने कार चालक को मौके से पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घायलों को हैलट में एडमिट कराया है। हादसे में घायलों की भी हालत गंभीर बनी हुई है। एसीपी कल्याणपुर अभिषेक पांडेय ने बताया- देर रात बिठूर-कल्याणपुर रोड पर फत्तेपुर गांव में अंकित के मकान के सामने हरियाणा नंबर की तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को उड़ा दिया। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। क्षेत्रीय लोगों ने कार चालक और उसमे मौजूद लोगों का दबोच लिया और पुलिस को सूचना दी।

जिलाधिकारी के सराहनीय प्रसास से राजकीय बाल गृह के बच्चों को मिला परिवार

निराश्रित 26 बच्चों में से 17 को उनके परिवार से मिलाया

ललितपुर। राजकीय बाल गृह दैलवारा का निरीक्षण कर देखी व्यवस्थाएं, बच्चों को नियमित व्यायाम, योगाभ्यास एवं स्वास्थ परीक्षण कराने के निर्देश। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी द्वारा राजकीय बाल गृह (बालक) दैलवारा का औचक निरीक्षण किया गया व निवासरत बच्चों के पुनर्वास हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सभी कक्षों का अवलोकन किया तथा भोजनालय में जाकर खाने की गुणवत्ता को परखा। बताया गया कि राजकीय बाल गृह (बालक) दैलवारा में पूर्व में 26 बच्चे थे, जिनमें से 16 बच्चों को जिलाधिकारी महोदय के व्यक्तिगत प्रयासों से उनके परिवार तक सकुशल पहुंचाया गया है, वर्तमान में मात्र 10 बच्चे निवासरत हैं, जो 24 घण्टे सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में रहते हैं। बच्चों को प्रतिदिन निर्धारित मीनू के अनुसार भोजन दिया जाता है, साथ ही उन्हें शिक्षा व कौशल की जानकारी भी दी जाती है। बताया गया कि बच्चों का नियमित रुप से स्वास्थ्य परीक्षण किया जाता है और आवश्यक सलाह भी दी जाती है। उक्त 10 बच्चों में से 1 बच्चा जो ललितपुर का ही निवासी है, जिलाधिकारी के निर्देश पर उसके परिवार से सम्पर्क किया गया, और शाम तक बच्चे को उनके सुपुर्द कर दिया जाएगा। जिलाधिकारी के प्रयास से निरंतर बच्चों को उनके परिवार तक पहुंचाया जा रहा है, जिससे यह संख्या 26 से घटकर 9 रह गई है।

शार्ट न्यूज

पेयजल समस्या के निस्तारण हेतु सेक्टर अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न

ललितपुर। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे राजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जनपद की पेयजल व्यवस्था को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु गठित कमेटी एवं सेक्टर प्रभारी, जल संस्थान व जल निगम के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में समस्त सेक्टर प्रभारी अधिकारियों से विस्तृत चर्चा करते हुए पेयजल की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली गई, जिसमें समस्त सेक्टर प्रभारी अधिकारी ने अपने-अपने वार्डों की जानकारी दी एवं अपने वार्डों में सुधारे गए हैंडपंप या इंटरकनेक्शन पाइपलाइन व टैंकरों के बारे में जानकारी दी। बताया गया कि आज दिनांक 21 जून 2024 को 22 टैंकरों से पानी की आपूर्ति की गई तथा आज दिनांक तक 297 में से 281 हैंडपंपों की मरम्मत का कारण पूर्ण कर लिया गया तथा 7 हैंडपंप जो ड्राई पाए गए हैं, उन्हें जल निगम द्वारा रीबोर करवाया जाएगा। अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे द्वारा निर्देशित किया गया कि जल संस्थान एवं जल निगम के अधिकारियों को तत्काल शेष कार्य को पूर्ण कराने हेतु निर्देशित किया गया।

दशम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का पुलिस लाइन में हुआ आयोजन

पुलिस लाइन में राज्यमंत्री सहित डीएम और एसपी ने किया योग

ललितपुर। दशम् अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर रिजर्व पुलिस लाइन ललितपुर में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक मो0मुश्ताक ने, मा0 राज्यमंत्री संजय सिंह गंगवार (गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग उ0 प्र0 सरकार), मा0 विधायक सदर रामरतन कुशवाहा, जिला पंचायत अध्यक्ष कैलाश निरंजन के साथ दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। सभी ने योग प्रशिक्षु के निर्देशों पर पुलिस लाइन के प्रांगण में पुलिस प्रशासन के कर्मियो के साथ योग किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा सभी को संदेश दिया कि योग को प्रतिदिन की दिनचर्या में शामिल करें जिससे आपका जीवन सुन्दर, निरोग व तनाव मुक्त रहेगा तथा पुलिस विभाग की संघर्षपूर्ण जिम्मेदारियों से लड़ने की ताकत मिलेगी। इस अवसर पर जिला नोडल अधिकारी, क्षेत्राधिकारी सदर अभय नारायण राय, प्रतिसार निरीक्षक जगदीशचन्द्र तथा पुलिस कार्यालय में नियुक्त अधि0/कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

महोबा में तीन नए कानून के विरोध में प्रदर्शन

महोबा। महोबा के कलेक्ट्रेट में जिला अधिवक्ता समिति ने न्यायिक कार्य का बहिष्कार कर जुलाई से लागू होने वाले तीन नए कानून का विरोध किया है। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए नए कानून लागू न किए जाने की मांग की। जिला अधिवक्ता समिति के जिला अध्यक्ष इंद्रपाल सिंह ने कहा नए कानून में बड़ी कमियां हैं। इसलिए इसे लागू करने से पहले फिर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है। कहा रतीय दंड संहिता के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता के स्थान पर भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और साक्ष्य विधि के स्थान पर भारतीय साक्ष्य अधिनियम जुलाई से लागू किए जा रहे हैं। भारत सरकार द्वारा नए कानून जुलाई से लागू किया जा रहा है जो बर्दाश्त नहीं है। उन्होंने कहा कि इन कानून में सिर्फ नाम बदलकर सिर्फ उलटफेर किया गया है जिससे न्याय प्रक्रिया और जटिल बन रही है। आने वाले समय में यह लोगों के लिए भ्रमित करने वाली हो जाएगी। ऐसे में इन नियमों और कानून पर पुन: विचार करते हुए पुराने कानून को ही लागू रखने की मांग की गई। जिला अध्यक्ष इंद्रपाल सिंह ने कहा कि 97 फ़ीसदी कानून में वही धाराएं हैं वही अध्याय हैं।

50 हजार का इनामी गौ तस्कर गिरफ्तार

जालौन। जालौन की एट कोतवाली पुलिस को एसओजी तथा सर्विलांस टीम की मदद से बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस टीम ने गौ मांस की तस्करी करने वाले 6 माह से फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी बदमाश मोहम्मद सलमान को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने तस्कर की गिरफ्तारी झांसी कानपुर नेशनल हाईवे-27 स्थित एकता ढाबा के पास से की है। जो गौ मांस की तस्करी करने में लगा था। 50 हजार रुपए के इनामी बदमाश मोहम्मद सलमान की गिरफ्तारी को अवगत कराते हुए कोंच के क्षेत्राधिकारी उमेश कुमार पांडेय ने बताया कि 21 दिसंबर 2023 को मुखबिर की सूचना पर एट थाना पुलिस द्वारा वाहन चेकिंग के दौरान टोल प्लाजा के पास एक कंटेनर में 21000 किलो संदिग्ध मांस बरामद किया था। प्रपत्रों की जांच में फर्जी कूट रचित दस्तावेज एवं अवैध तरीके से परिवहन कर ले जाना पाया गया था। उक्त वाहन को पुलिस ने कब्जे में लेते हुए एट कोतवाली में धारा 420, 467, 468, 471 में मुकदमा पंजीकृत कर संदिग्ध मांस को पशु चिकित्सा अधिकारी द्वारा सैंपल कराकर परीक्षण के लिए भेजा था।

उन्नाव में छत से गिरकर मजदूर की मौत

उन्नाव। उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र के मगरवारा चौकी के अंतर्गत एक निर्माणाधीन मकान में काम कर रहे मजदूर की छत से गिरने से मौत हो गई। घटना की सूचना पर पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों का रो-रोकर पर बुरा हाल होता रहा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम कराया है मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। कोतवाली क्षेत्र के रुपानी खेड़ा गांव का रहने वाला बिरजू कुमार (35) पुत्र बाबूलाल मजदूरी करके अपने घर का जीवन यापन करता था। शुक्रवार को वह मगरवारा चौकी क्षेत्र के एक घर में हो रहे निर्माण कार्य में मजदूरी करने गया था। काम करने के दौरान ही बिरजू छत पर था और पैर फिसलने से वह नीचे गिर गया, जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। चिल्लाने की आवाज सुनकर साथ में मौजूद अन्य साथियों ने उसे आनन-फानन उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। मौत की सूचना मकान का निर्माण कर रहे मालिक ने मजदूर के परिजनों को दी। चौकी इंचार्ज मगरवारा ने मृतक के शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम कराया है। मृतक के दो बेटे और एक बेटी है। मृतक पांच भाइयों में दूसरे नंबर का था। घटना के बाद पत्नी रामदेवी रो रो कर बेहाल होती रहे।

वाराणसी में झूला डालडा के कारोबारी पर रेड

ईडी ने झुनझुनवाला के 7 राज्यों में 10 ठिकानों पर छापे मारे; 100 फाइलें जब्त

वाराणसी। वाराणसी के उद्योगपति दीनानाथ झुनझुनवाला के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। उनके वाराणसी स्थित आवास समेत 7 राज्यों के 10 ठिकानों पर सुबह 7 बजे एक साथ छापेमारी की गई।

किसी को भी अंदर-बाहर जाने की इजाजत नहीं है। सभी के मोबाइल जब्त कर लिए गए हैं।

झुनझुनवाला के खिलाफ 2019 में सीबीआई ने करीब 1000 करोड़ के बैंक फ्रॉड का केस दर्ज किया था। फिर, मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर ईडी की एंट्री हुई थी। सूत्रों के मुताबिक, ईडी ने दो लैपटॉप और 100 से अधिक फाइलों को कब्जे में लिया है।

दीनानाथ झुनझुनवाला 4 से 5 दशक पहले फेरी लगाकर कपड़ा बेचते थे। बाद में उन्होंने झूला ब्रांड डालडा (वनस्पति तेल) बनाना शुरू किया, जो यूपी-बिहार में काफी मशहूर रहा है।

दीनानाथ झुनझुनवाला का आवास वाराणसी में नाटी इमली में है। ईडी की एक टीम शुक्रवार सुबह 7 बजे उनके आवास पर पहुंची। वहीं, 2 टीमों ने आशापुर और हिरामन की ऑयल मिल पर छापा मारा। दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और उत्तराखंड समेत देश में झुनझुनवाला के 10 ठिकानों पर दस्तावेज खंगाला जा रहा है।

क्यों हो रही कार्रवाई?

दीनानाथ झुनझुनवाला पर एक हजार करोड़ से अधिक के बैंक फ्रॉड करने का आरोप है। इसमें पंजाब नेशनल बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा का करीब 900 करोड़ है। झुनझुनवाला और उनके परिवार ने 11 बैंकों से करोड़ों का लोन लिया था।

लेकिन, अब तक लौटाया नहीं है। उनकी कंपनी जेवीएल एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड सबसे बड़ी कर्जदार है। जेवीएल एग्रो ने देशभर में बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक की अलग-अलग बैंक शाखाओं से बड़ा लोन लिया था। आरोप है कि बैंकर्स से मिली भगत कर लोन लिए और उसे लौटाया नहीं।

लखनऊ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की पुलिस से झड़प

नीट को लेकर प्रदर्शन, अजय राय को धक्का देकर बैरिकेडिंग से बाहर किया

लखनऊ। नीट यूजी 2024 पेपर लीक को लेकर लखनऊ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस के यूपी प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के साथ कार्यकर्ता विधानसभा जा रहे थे। पुलिस ने कांग्रेस कार्यालय के पास ही बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इससे भड़के कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़ गए।

पुलिस से धक्का-मुक्की करने लगे। अजय राय भी बैरिकेडिंग कूद कर आगे बढ़े तो पुलिस ने पकड़ लिया। उनकी पुलिस से झड़प हो गई। पुलिस ने उन्हें धक्का देकर बैरिकेडिंग के पार कर दिया। प्रदर्शन उग्र होता देख पुलिस ने अजय राय के साथ करीब 100 कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया और ईको गार्डन लेकर गई।

अजय राय ने कहा- गिरफ्तार कर लिया गया, देखिये कहां लेकर जाएंगे। हम छात्रों के हितों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस ने जबरन हमको गाड़ियों में भर दिया। हमारी मांग है कि नीट की परीक्षा दोबारा कराई जाए और केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा- ये आरोप बेहद गंभीर है कि पुलिस भर्ती परीक्षा का पेपर आयोजित करवाने वाली गुजरात की कंपनी का ही, पेपर लीक करवाने में हाथ है। उसका मालिक जब विदेश भाग गया, तब उप्र सरकार ने उसके बारे में जनता को बताया।

जनता के गुस्से से बचने के लिए दिखाने भर के लिए उस कंपनी को ब्लैक लिस्ट कर दिया। उप्र सरकार उस कंपनी और उसके मालिक के खिलाफ एफआईआर की कॉपी सार्वजनिक करे। गुजरात भेजकर उसकी संपत्ति से खामियाजा वसूलने की हिम्मत दिखाए।

ऐसे आपराधिक लोग उप्र के 60 लाख युवाओं के भविष्य को बर्बाद करने के दोषी हैं। उप्र की भाजपा सरकार साबित करे कि वो इन अपराधियों के साथ है या प्रदेश की जनता के साथ।

पत्नी की पीड़ा देख पति ने अस्पताल में लगाई फांसी

लखनऊ। लखनऊ के एक हॉस्पिटल में पत्नी के दर्द से परेशान एक व्यक्ति ने फांसी लगा लिया। हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने शव देखा और जानकारी पुलिस को दी। पत्नी के फेफड़ों में पानी भर गया था। पांच दिन पहले इलाज के लिए लखनऊ लाया था। मृतक की पहचान हरदोई के रहने वाले देशराज के रूप में हुई है। मृतक के भाई ने बताया की उसकी पत्नी दर्द से चिल्लाती थी। देशराज बेचैन हो जाता था। रात में बात हुई तब वो नॉर्मल था। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौं दिया है।

जानकारी के मुताबिक राघवपुर मल्लावा हरदोई का रहने वाला देशराज कुशवाहा किसानी करता था। उसकी पत्नी पूजा के फेफड़ों में पानी भर गया था। लंबे समय से वो इलाज करा रहा था। पर आराम नहीं हुआ। सोमवार को पत्नी पूजा को लेकर बुद्धेश्वर चौराहे के पास कुसमा हॉस्पिटल दिखाने आया था। डॉक्टर ने एडमिट करने की सलाह दी। इस पर देशराज ने उसे एडमिट करा दिया। गुरुवार-शुक्रवार की रात करीब 1 बजे देशराज अस्पताल के गेट के पास बने टॉयलेट के दरवाजे में गमछे से लटक गया। कुसमा हॉस्पिटल के कर्मचारियों ने देखा तो अफरा तफरी मच गई। इसके बाद अस्पताल कर्मचारियों ने हरदोई में परिजनों को सूचना दी। मौके से पहुंचे परिजनों मौत की स्पष्ट नहीं बता पा रहे हैं।

जर्जर मकान के मलबे में दबकर बेटे की मौत

पिता की हालत गम्भीर, दीवार तोड़ कर निकाल रहे थे ईंट, अचानक से भरभरा कर गिर गई

कन्नौज। कन्नौज के एक गांव में जर्जर मकान की दीवार तोड़कर ईंटें निकालते वक्त लेंटर भरभरा कर ढह गया। जिसके मलबे में दबने से किशोर की मौत हो गई। जबकि उसके पिता की हालत गम्भीर है। ग्रामीणों की मदद से उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

अचानक से मकान का लेंटर भरभरा कर ढह गया

घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के महचन्दापुर गांव की है। जहां के रहने वाले 52 वर्षीय शेषपाल का मकान काफी जर्जर हो चुका था। बरसात में मकान ढह न जाए, इस डर से वह खुद ही 1 सप्ताह से मकान की दीवार तोड़ रहे थे।

दीवार में लगी ईंटों को निकाल कर इकट्ठा करने का काम कर रहे थे। ताकि पुरानी ईंटों का इस्तेमाल नए मकान में किया जा सके। शुक्रवार को भी जब वह मकान की दीवार तोड़ रहे थे, तब उनके पास उनका 13 वर्षीय बेटा मनीराम भी मौजूद था। इस बीच अचानक से मकान का लेंटर भरभरा कर ढह गया।

जिसके मलबे में शेषपाल और उनका बेटा मनीराम दब गया। ये देखकर उनकी पत्नी गांव वालों से मदद के लिए गुहार लगाने लगी। मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने किसी प्रकार मलबा हटाकर पिता और पुत्र को बाहर निकाला, लेकिन तब तक मनीराम की मौत हो चुकी थी।

जबकि शेषपाल की हालत गम्भीर थी। ऐसे में ग्रामीणों ने उनको तिर्वा स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने एडमिट कर उनका इलाज शुरू कर दिया। उधर घटना से शेषपाल के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

मेरठ में पीट-पीटकर युवक की हत्या

मेरठ। मेरठ के भावनपुर थाना क्षेत्र के एपेक्स कॉलोनी निवासी युवक पंकज की लाश मिली है। कॉलोनी में ही फ्लैट के पास पंकज की लाश मिली है। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। लाश को देखकर लग रहा है कि युवक को किसी ने पीट पीटकर मार डाला है। मृतक पंकज नोएडा की प्राइवेट कंपनी में जॉब करता था। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। एपेक्स कालोनी गढ़ रोड में रहने वाला पंकज नोएडा कॉरपोरेट में काम करता था। गुरुवार को पंकज घर पर अकेला था। पंकज की पत्नी संध्या बच्चों के साथ मायके गई थी।

कॉन्स्टेबल पेपर लीक मामले में 900 पन्नों की चार्जशीट पेश

लखनऊ। यूपी पुलिस भर्ती पेपर लीक मामले में एसटीएफ ने शुक्रवार को चार्जशीट कोर्ट में पेश की। यूपी एसटीएफ की मेरठ यूनिट ने मास्टरमाइंड रवि अत्री समेत 18 आरोपियों के खिलाफ 900 पेज की चार्जशीट दाखिल की।

चार्जशीट में रवि अत्री और राजीव नयन मिश्रा के साथ लॉजिस्टिक्स कंपनी टीसीआई एक्सप्रेस के कर्मचारी शिवम गिरी, रोहित पांडे, अभिषेक शुक्ला और दिल्ली पुलिस के सिपाही विक्रम पहल का भी नाम है।

वहीं पेपर प्रिंट करने वाली कंपनी एजुटेस्ट के मालिक विनीत आर्य और उनके पारिवारिक सदस्यों के नाम भी लीक कांड से जुड़े हैं। विनीत आर्य ने कोर्ट में डिक्लेरेशन देकर कहा कि पेपर छापने का टेंडर मिलने से पहले उन्हें किनारे कर दिया गया।

एसटीएफ की जांच में सामने आया है कि जिन लोगों के पास कंपनी का मालिकाना हक था वह भी विनीत आर्य के पारिवारिक सदस्य हैं। एसटीएफ चार बार विनीत आर्य को नोटिस भेज चुकी है। पेपर छापने वाली कंपनी एजुटेस्ट को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है।

दलित युवक की अलीगढ़ में हत्या के विरोध में प्रदर्शन

एजेंसी

मुजफ्फरनगर। अलीगढ़ में दलित युवक की हत्या के विरोध में अखिल भारतीय परिसंघ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। मांग उठाई कि नामज़द आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर पीड़ित परिवार के सदस्यों को मुआवजा दिलाया जाए।

मुजफ्फरनगर के कचहरी परिसर स्थित डीएम कार्यालय पर अखिल भारतीय परिसंघ उत्तर प्रदेश पश्चिम के बैनर तले संगठन के दर्जनों कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया।

उन्होंने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन भेजा। प्रांतीय अध्यक्ष पश्चिम उत्तर प्रदेश अखिल भारतीय परिसंघ इंजीनियर बाबू सिंह बौद्ध ने कहा कि अलीगढ़ में दबंगों ने जिस तरीके से 22 वर्षीय दलित युवक गौरव जाटव की हत्या की यह घोर निंदनीय है। हत्याकांड में जो भी आरोपी हैं उन सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

31 मार्च 2024 को 22 वर्षीय युवक गौरव जाटव का अपहरण कर लिया गया था। इसकी उसके पिता ने एक जून को नामजद रिपोर्ट थाने पर लिखवाई थी। तीन जून 2024 को गौरव जाटव का शव नहर से बरामद हुआ था।

जिससे पता चला कि गौरव की आंख फोड़ और जीभ काटकर रीढ़ की हड्डी भी तोड़ दी गई थी। गौरव की हत्या बड़े ही निर्मम तरीके से की गई। कुछ दिन पहले गौरव जाटव का दबंगों से बाइक टकराने को लेकर विवाद हो गया था। इसमें दबंगों ने आठ दिन में गौरव की हत्या करने की धमकी दी थी।

गौरव की हत्या के 20 दिन बीत जाने के बाद भी प्रशासन के आला अफसर ने सभी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की। मांग उठाई की पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपए का मुआवजा तत्काल दिया जाए।

होटल के कमरे में मिले युवक युवती के शव

संभल। उत्तर प्रदेश में संभल जिले के कोतवाली क्षेत्र में होटल के एक कमरे में एक युवक व एक युवती के शव मिले हैं। पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह गुनावत ने शुक्रवार को बताया कि कोतवाली क्षेत्र संभल में संभल हसनपुर मार्ग पर फ़तेह उल्लाह सराय में स्थित एआर होटल के एक कमरे में एक युवक का शव एक फंदे पर लटका मिला है व एक युवती का शव बेड पर पड़ा मिला है। युवक व युवती की मौत की वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पता चलेगी, फिलहाल मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। मृतकों की पहचान दिल्ली के गौतमपुर का निवासी शिवम (20) एवं हयातनगर की निवासी स्वीटी (22) के तौर पर की गयी है। शिवम एवं स्वीटी ने बृहस्पतिवार को सुबह होटल में कमरा लिया था तथा दोनों को बृहस्पतिवार को ही रात्रि में कमरा खाली करना था। रात्रि होने पर जब कमरा खाली नहीं किया तो होटल का मैनेजर कमरा खाली करने के बारे में पूछने के लिए गया। घंटी बजाने पर भी कमरा नहीं खुला तो सीढ़ी लगाकर कमरे के अंदर झांककर देखा तब युवक का शव फंदे पर लटका होने एवं युवती का शव बेड पर पड़ा होने की जानकारी हुई।

कांग्रेस उतरी सड़कों पर, जबर्दस्त विरोध प्रदर्शन कर बीजेपी को घेरा

मोहम्मद असलम

लखीमपुर खीरी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर जिला/शहर कांग्रेस कमेटी मैं नीट परीक्षा में हुई घाघली के खिलाफ जोरदार धरना प्रदर्शन कर एक ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति को जिला अधिकारी खीरी के माध्यम से सौपा ज्ञापन से पहले धरने को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष पहलाद पटेल ने कहा 23 लाख से ज्यादा छात्र नीट परीक्षा से प्रभावित हुए हैं इससे पहले कई पेपर लीक होकर बच्चों का भविष्य बर्बाद हो चुका है केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार की मिली भगत से पेपर लीक माफिया हावी हैं जिस तरह से नीट परीक्षा में धांधली हुई है और सरकार पूरी तरह से मौन साधे हुए हैं इससे पता चलता है कि सरकार छात्रों के प्रति संवेदनशील नहीं है सिद्धार्थ त्रिवेदी ने कहा लगभग दो सप्ताह बीत जाने के बाद भी सरकार कोई निर्णय नहीं ले पा रही है देश की सबसे बड़ी अदालत ने कहा है कि अगर परीक्षा में 0.0.1 प्रतिशत भी धांधली हुई तो हम इसको बर्दाश्त नहीं करेंगे ।और मोदी सरकार बार-बार झूठ बोलकर धांधली की बात छुपाती रही है कांग्रेस पार्टी शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग करती है। प्रदर्शन के समय किसान नेता पंकज दीक्षित रामकुमार पाल,सरोजिनी अवस्थी,सिद्धि खान, संजय गोस्वामी,रामकुमार वर्मा,नीरज बाजपेई, नारायण वर्मा,सुभाष वर्मा,मोहन चंद्र,जसवंत वर्मा, जगदीश सिंह,रवि तिवारी,कोमल सिंह,अब्दुल रहीम, रामपाल, अब्दुल कयूम,पंकज दीक्षित, चंद्रप्रभा अवस्थी, मंजू मिश्रा, राहुल वर्मा, किरण पटेल,प्रेम वर्मा,एजाज खान, उपेंद्र बंजारा ,हरि गोविंद वर्मा,संजय कुमार,रघुनंदन राज पासी,नीरज बाजपेई, रवि गोस्वामी, शाकिर अली, आदि कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूदरहे।

डीआईजी ने 1योग दिवस पर आयोजित सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में कर्मचारियों साथ योगाभ्यास किया

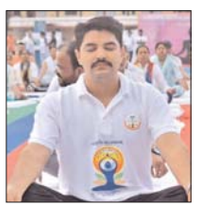

ललितपुर। झांसी, डीआईजी कलानिधि नैथानी द्वारा 10वें अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं, 21 जून को इस उपलक्ष्य में योगाभ्यास कर योग दिवस को एक उत्सव के रूप में मनाया गया। शारीरिक/मानसिक स्वास्थ्य हेतु योग अवश्य अपनाना चाहिए स्वस्थ रहें, सानंद रहें।

अमेरिका ने रूसी कंपनी के सॉफ्टवेयर को बैन करने की घोषणा की

वाशिंगटन। अमेरिका ने साइबर सुरक्षा कंपनी कैस्परस्की द्वारा बनाए गए एंटीवायरस सॉफ्टवेयर की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि रूसी सरकार की आक्रामक साइबर क्षमताओं और कैस्परस्की के संचालन को प्रभावित करने या निर्देशित करने की क्षमता के कारण अमेरिका में कंपनी के संचालन से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा है। कैस्परस्की अब आम तौर पर अन्य गतिविधियों के अलावा अमेरिका में अपने सॉफ़्टवेयर नहीं बेच सकेगी और न ही पहले से उपयोग किये जा रहे सॉफ़्टवेयर के अपडेट प्रदान करने में सक्षम होगी। वाणिज्य सचिव जीना रायमोंडो ने कहा, रूस ने बार-बार दिखाया है कि उनके पास कैस्परस्की लैब जैसी रूसी कंपनियों का शोषण करने की क्षमता और इरादा है, ताकि वे संवेदनशील अमेरिकी जानकारी एकत्र कर सकें और हथियार बना सकें। हम अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा और अमेरिकी लोगों की सुरक्षा के लिए अपने पास मौजूद हर उपकरण का उपयोग करना जारी रखने वाले हैं। अमेरिका में कैस्परस्की सॉफ्टवेयर की बिक्री पर 20 जुलाई से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। रूसी बहुराष्ट्रीय कंपनी 29 सितंबर तक मौजूदा यूजरों को सॉफ्टवेयर अपडेट प्रदान करने में सक्षम होगी। कैस्परस्की का सॉफ्टवेयर यूजरों को ट्रोजन, स्पाइवेयर और अन्य साइबर खतरों से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

खालिस्तानी आतंकवादियों ने लगाई नागरिक अदालत, भारत ने जताई आपत्ति

टोरंटो। भारत ने वैंकूवर में भारतीय वाणिज्य दूतावास के बाहर खालिस्तानी आतंकवादियों द्वारा नागरिक अदालत लगाने और भारत के प्रधानमंत्री का पुतला जलाने पर कनाडा सरकार के सामने कड़ा विरोध जताया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारत ने कनाडा के उच्चायोग को राजनयिक नोट जारी कर खालिस्तानी आतंकवादियों की हालिया कार्रवाइयों और नागरिक अदालत आयोजित करने पर गंभीर आपत्ति जताई है। नोट में भारत ने कनाडाई उच्चायोग को जस्टिन ट्रूडो सरकार द्वारा कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादियों को दी जा रही शह की कड़ी निंदा की है। कनाडा की संसद ने खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की याद में मौन रखा गया था, जिसके एक दिन बाद भारत ने यह आपत्ति जताई है। निज्जर की पिछले साल जून में ब्रिटिश कोलंबिया के सरे में गोली मारकर हत्या दी गई थी।

तलाक के लिए आईफोन को बताया दोषी, ठोका मुकदमा, पत्नी ने पकड़ लिया था रंगे-हाथों

लंदन । इंग्लैड के अज्ञात व्यक्ति ने पत्नी से तलाक के लिए आईफोन को जिम्मेदार ठहराते हुए एप्पल कंपनी पर मुकदमा ठोक दिया है। युवक का दावा है कि उसकी पत्नी को सेक्स वर्कर्स के साथ उसकी संबंधों का पता उनके साझा आईमेक के जरिए चला, जहां उसके आईमैसेज उसके आईफोन से डिलीट होने के बावजूद बने रहे। यही वजह है कि शख्स ने 6.3 मिलियन डॉलर का मुकदमा किया है। शख्स को इस बात की जानकारी नहीं थी कि ऐपल का सिंक फीचर एक ही ऐपल आईडी वाले डिवाइसों पर मैसेज को सुरक्षित रखता है। ऐसे जब उनकी पत्नी को यह सबूत मिला और उन्होंने तलाक के लिए अर्जी दायर कर दिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस अनजान शख्स ने लंदन बेस्ड लीगल फर्म रोसेनब्लाट के जरिए आईफोन मेकर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है। मुकदमा इस तर्क पर केंद्रित है कि आईमैसेज के फंक्शन में अलग-अलग डिवाइस पर मैसेज को हटाने के संबंध में स्पष्टता का अभाव है। शख्स का मानना है कि अगर यह खुलासा इस तरह से नहीं होता, तो शायद शादी को बचाने का एक मौका होता। शख्स का तर्क है कि उनकी पत्नी को इस बारे में काफी गलत तरीके से पता चला। उनके मुताबिक अगर वे अपनी पत्नी से तर्कसंगत तरीके से बात कर पाते और तो उन्हें इस बात का शायद इतना गलत अहसास नहीं होता और वे शायद शादीशुदा होते।शख्स ने कहा कि यदि आपको बताया जाता है कि कोई मैसेज हटा दिया गया है तो आपको ये मानने का अधिकार है कि वह हटा दिया गया है। शख्स ने कहा कि अगर मैसेज में ये लिखा होता कि इन मैसेज को केवल इस डिवाइस से डिलीट कर दिया गया है। तब भी आपके पास समझने को एक हिंट होता। उन्होंने आगे कहा कि मैसेज केवल इस डिवाइस में डिलीट किए गए हैं। ऐसा कहना ज्यादा साफ तौर पर इंडिकेट करता।अब वह ऐपल को जवाबदेह ठहराने के लिए कानूनी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं और ऐसे अन्य लोगों का प्रतिनिधित्व करने के लिए सामूहिक मुकदमा दायर करने पर विचार कर रहे हैं, जिन्होंने तकनीकी गलतफहमी के कारण इसी तरह की स्थितियों का सामना किया हो। वह अन्य पुरुषों के लिए सामूहिक मुकदमा दायर करना चाहते हैं, जो अपने फोन का इस्तेमाल करना नहीं जानते।

पुतिन ने तानाशाह को तोहफे में दी कार...

मॉस्को । रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जब उत्तर कोरिया के दौरे पर पहुंचे तब अपने मित्र और तानाशाह किम जोंग उन को ऐसा तोहफा दिया, जिसकी चमक पूरी दुनिया में फैल गई। पुतिन ने लिमोजिन कार तानाशाह किम जोंग को तोहफे में दी है। इस कार को रॉल्स रॉयल्स की कॉपी कहा जा रहा है, लेकिन कार की खासियत दुनियाभर की गाड़ियां इसके आगे पानी भरती हैं। न सिर्फ कीमत बल्कि फीचर्स भी कार को पूरा बंकर बना देते हैं।

दरअसल, ऑरस लिमोजिन कार को खासतौर पर पुतिन के लिए ही बनाया गया है। जाहिर है कि इसकी खूबियां भी जबरदस्त होंगी। इस कार को पुतिन के खास निर्देश पर बनाया गया है और पहली बार साल 2018 में उतारी गई। इसका डिजाइन रूस की कंपनी नामी ने तैयार किया है, जबकि मॉडल को रूस की सेंट्रल साइंटिफिक रिसर्च ऑटोमोबाइल और ऑटोमोटिव इंजन इंस्टीट्यूट ने मिलकर विकसित किया है। ऑरस कंपनी की इस सीनेट ब्रांड के 3 मॉडल आते हैं। इसमें स्टैंडर्ड सीनेट, सीनेट लांग और सीनेट लिमोजिन शामिल है। रूसी कंपनियों का कहना है कि यह 1940 में सोवियत काल के समय बनी जेडआईएस 110 सोवियत लिमोजिन से प्रेरित है। किम जोंग उन के पास पहले से ही मर्सिडीज के चार मॉडल और एक लेक्सस कार है। अब उनके बेड़े में रूस की यह सुपर कार भी शामिल हो गई है।

यह कार 6,700 मिमी (6.70 मीटर) लंबी है और इसका वजन 2,700 किलोग्राम है। कार को पूरी तरह बुलेट प्रूफ बनाया गया है और इस पर गोलियों या बम का जरा भी असर नहीं होता। चाहे गाड़ी पर बम फेंका जाएं या जमीन में रखकर विस्फोट किया जाए, यह कार नीचे से ऊपर तक पूरी तरह सुरक्षित है। कार में सेल्फ कंटेन ऑक्सीजन सप्लाई सिस्टम है, जबकि टायर फ्लैट रबर से बने हैं। कार के अंदर ही सिक्योर लाइन कम्युनिकेशन सिस्टम है, जो दुनिया में कहीं भी बात करने की सुविधा देता है। इतना ही नहीं यह कार खुद भी कई तरह के घातक हथियारों से लैस है। ये फीचर कार को एक बंकर में तब्?दील कर देते हैं।

ऑरस लिमोजिन में 6.6 लीटर वी12 इंजन लगा है। यह 850 बीएचपी की पावर जेनरेट करता है। इसका इंजन बनाने में पोर्शे ने भी मदद की है। भारत में बिकने वाली लग्जरी एसयूवी फॉर्च्यूनर के मुकाबले इसमें 4 गुना से भी ज्?यादा ताकत है। फॉर्च्यूनर 201 बीएचपी की पावर जेनरेट करता है। जाहिर है कि यह ऐसी 4-4 कारों को एकसाथ खींच सकता है। सबसे पहले इसे साल 2018 में उतारा गया था, तब इसकी कीमत 1.6 लाख डॉलर (1.32 करोड़ रुपये) थी। साल 2021 में इसकी कीमत रिवाइज करके 3 लाख डॉलर (2.40 करोड़ रुपये) कर दी गई। रूसी एजेंसियों के मुताबिक, 2024 में अब तक रूस में इसके 40 मॉडल की बिक्री हुई है। साल 2022 में सिर्फ 31 कारों की ही बिक्री हुई थी।

बांग्लादेश में आई बाढ़ के बीच ही पानी में डूबा नजर आ रहा सियालहाट इलाका।

चीन ने फिलीपीन के साथ दोहराया गलवान... चाकू और कुल्हाड़ी से किया हमला

मनीला । दूसरे देशों की जमीन पर बुरी निगाह रखने वाले चीन ने दक्षिणी चीन सागर में गलवान जैसी घटना फिर की है। चीनी सैनिकों पर अपने पड़ोसी राष्ट्र फिलीपीन की नौसेना पर चाकू और कुल्हाड़ी लेकर हमला करने और जमकर लूटपाट करने का आरोप लगा है। फिलीपीन सेना ने चीनी सैनिकों की करतूत के वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किए हैं। फिलीपीन अधिकारियों ने चीन को लताड़ लगाकर समुद्री लूट करार दिया। वीडियो में चीनी सैनिकों की लूटपाट देखी जा सकती है। वे फिलीपीन सैनिकों पर चाकू और कुल्हाड़ी से हमला कर रहे हैं। फिलीपीन के सैन्य प्रमुख ने मांग की कि चीन विवादित तटवर्ती क्षेत्र में चीनी तटरक्षक द्वारा जब्त किए गए हथियार और उपकरण लौटाए और हमले में हुए नुकसान की भरपाई करे। फिलीपीन के अधिकारियों के अनुसार, आठ से अधिक मोटरबोट पर सवार चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन की नौसेना की दो नौकाओं को बार-बार टक्कर मारी और उन पर चढ़ गए। इतना ही नहीं चीनी तटरक्षक कर्मियों ने फिलीपीन नौसेना कर्मियों को दक्षिण चीन सागर में अपनी नावों से रोक दिया। इन क्षेत्रों पर चीन अपना दावा करता आया है। चीनी सैनिकों ने पहले फिलीपीनो सैनिकों की नावों को टक्कर मारी और फिर वे हथियार लहराते हुए उनकी नावों में कूद गए। वीडियो में देखा जा सकता है कि चीनी कर्मियों ने नौकाओं को जब्त कर फिलीपीन सैनिकों पर हमला किया। चीनी सैनिक उनकी सेना के कई उपकरणों, आठ एम4 राइफलें भी अपने साथ लूटकर ले गए। फिलीपीन सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल रोमियो ब्रॉनर जूनियर ने कहा, चीनी सेना ने जो किया जो भुलाया नहीं जा सकता।

सांसद चंद्रा आर्य ने खालिस्तान समर्थकों को कनाडा की संसद में सुनाई खरी-खरी

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में भारतीय मूल के सांसद चंद्रा आर्य ने संसद में खड़े होकर खालिस्तान समर्थकों को जमकर कोसा। उन्होंने याद दिलाते हुए कहा कि 23 जून को भारतीय विमान को हवा में उड़ा दिया गया था। इसके जिम्मेदार कनाडाई खालिस्तानी आतंकी थे। चंद्रा आर्य ने एक्स पर लोगों से 1985 एयर इंडिया बम विस्फोट के पीड़ितों की याद में एक समारोह में शामिल होने की अपील की। विमान पर हमले की यह 39वीं बरसी है। इसे आतंकवाद के पीड़ितों के लिए राष्ट्रीय स्मरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। चंद्रा आर्य ने कहा कि यह कनाडा के इतिहास में सबसे बड़ी सामूहिक हत्या है। इसके बाद उन्होंने हाल ही में खालिस्तान समर्थकों की ओर से भारतीय पीएम इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाने पर चिंता जताई। उन्होंने कहा, कनाडा की संसद में हाल ही में खालिस्तान समर्थकों की ओर से हिंदू भारतीय पीएम की हत्या का जश्न मनाया गया, जिसमें हिंसा और नफरत का महिमामंडन किया गया, जो दिखाता है कि अंधेरी ताकतें फिर सक्रिय हो गई हैं। ये दिखाता है कि देश के लिए आने वाला समय भयानक होगा।

23 जून 2024 को इस मेमोरियल सर्विस का आयोजन किया गया है, जिसमें उन्होंने लोगों को आने को कहा। यह आयोजन राजधानी ओटावा में डॉव झील के पास और ओंटारियो में क्वीन्स पार्क साउथ लॉन में स्मारक स्थल पर 12 बजे आयोजित की जाएगी। संसद में उन्होंने खालिस्तान समर्थकों की ओर से हिंसा को बढ़ावा देने का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 23 जून आतंकवाद के पीड़ितों के लिए स्मृति दिवस है। 39 साल पहले इसी दिन एयर इंडिया फ्लाइट 182 कनाडाई खालिस्तानी चरमपंथियों की ओर से लगाए गए बम से हवा में ही उड़ गई थी। उन्होंने आगे याद दिलाते हुए कहा कि विमान में सवार सभी 329 यात्री और चालक दल की मौत हो गई थी। कनाडा के इतिहास में यह सबसे बड़ा हमला माना जाता है। इस हमले में 268 कनाडाई लोगों की मौत हुई थी। मरने वालों में 27 ब्रिटिश और 24 भारतीय नागरिक थे।

आतंकवाद से निपटने के लिए अभियोजन तंत्र को मजबूत बनाएं : राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने आतंकवाद और उग्रवाद से उत्पन्न खतरे का प्रभावी तरीके से मुकाबला करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता बढ़ाने एवं उनके अभियोजन तंत्र में सुधार लाने का आह्वान किया है। समाचार पत्र 'डॉन' की एक खबर के अनुसार, जरदारी ने अशांत प्रांत बलूचिस्तान में सुरक्षा, कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर आयोजित एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही।

उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों को दिए गए अधिकार में खामियों के बारे में भी बताया गया। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगे बलूचिस्तान में लंबे समय से उग्रवाद है और वहां अक्सर सैन्य काफिलों एवं सुरक्षा कर्मियों पर हमले होते रहते हैं। बंदरगाह शहर ग्वादर में हुई बैठक में जरदारी ने प्रांतीय सरकार के प्रयासों के साथ-साथ आतंकवाद से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बलिदान की सराहना की, लेकिन उन्होंने सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। खबर में उनके हवाले से कहा गया है, अभियोजन तंत्र में सुधार की आवश्यकता है, ताकि आतंकवादी न्याय की जद से नहीं बच सकें।

प्रांत में सक्षम और बहादुर पुलिस अधिकारियों को तैनात करने की आवश्यकता है, क्योंकि इससे प्रांत में कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार होगा। एक्सप्रेस ट्रिब्यून समाचार पत्र की एक अन्य खबर के अनुसार, जरदारी ने राजनीतिक संवाद पर जोर देते हुए कहा कि बलूचिस्तान में समृद्धि, विकास और शांति लाने के लिए यही रास्ता है। राष्ट्रपति को बताया गया कि प्रांतीय सरकार चीनी और विदेशी नागरिकों को पूर्ण सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कदम उठा रही है।

इजराइल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सैकड़ों लोगों ने किया योग

-भारतीय राजदूत सिंगला बोले-योग केवल शारीरिक मुद्राओं का अभ्यास नहीं

तेल अवीव (एजेंसी)। 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इजराइल में तीन सौ से ल्यादा लोगों ने पेरेस सेंटर फॉर पीस एंड इनोवेशन में योग किया और इसे अपने जीवन में हमेशा करने का संकल्प लिया। इस योग कार्यक्रम में प्रथम महिला मिशल हेर्जोग मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं और उन्होंने भी योग किया।

इस मौके पर इजराइल में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इजराइल में भारतीय दूतावास ने तेल अवीव-याफो नगर पालिका और इजराइल के संस्कृति और खेल मंत्रालय के सहयोग से योग दिवस का आयोजन किया था। इस मौके पर हेर्जोग ने भारत और इजराइल के बीच गहरी दोस्ती पर बात की। हेर्जोग ने कहा कि आपने आज स्पष्ट रूप से दिखा दिया कि भारत परवाह करता है। भारत, इजराइल के साथ हमेशा खड़ा है। युद्ध के शुरुआती क्षणों में ही दोस्ती की यह भावना स्पष्ट दिखी।

हेर्जोग ने कहा कि भारत के पीएम नरेन्द्र मोदी ने आगे आकर नरसंहार की निंदा की थी और हमारे बंधकों की रिहा करने की मांग की थी। इजराइल में भारतीय राजदूत संजीव सिंगला ने कहा कि योग की प्राचीन क्रिया ने सीमाओं और संस्कृतियों को पार किया है। उन्होंने कहा कि हम इस कालातीत परंपरा के सार पर विचार करें। योग की मूल शिक्षा केवल शारीरिक मुद्राओं का अभ्यास नहीं बल्कि इसे करने से एकता, करुणा और मन को शांति भी मिलती है। योग सत्र की शुरुआत दूतावास की योग शिक्षिका दर्शना राजपूत के नेतृत्व में योग मुद्राओं की प्रस्तुति से हुई।

भारतीय छात्रों को ... अमेरिका में ट्रंप की गारंटी

वाशिंगटन (एजेंसी)। आव्रजन के मुद्दे पर अपने सख्त रुख में आश्चर्यजनक बदलाव कर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिकी कॉलेजों से ग्रेजुएशन करने वाले विदेशी छात्रों को सीधे ग्रीन कार्ड देने की इच्छा जाहिर की है। एक इंटरव्यू के दौरान ट्रम्प ने कहा कि 'मैं जो करना चाहता हूं और जो करूंगा, वह यह है कि जब आप किसी कॉलेज से ग्रेजुएट होते हैं, तब मुझे लगता है कि आपको अपने डिप्लोमा के हिस्से के रूप में खुद-ब-खुद ग्रीन कार्ड मिलना चाहिए, इस देश में रहने में सक्षम होने के लिए एक ग्रीन कार्ड। उन्होंने प्रस्ताव में दो साल के जूनियर कॉलेजों और डॉक्टरेट कार्यक्रमों के ग्रेजुएट को भी शामिल करने के लिए कहा।

ट्रम्प का यह बदला हुआ मिजाज अमेरिकी कॉलेजों में पढ़ रहे भारतीय छात्रों का जोश बढ़ाने वाला है। रिपोर्ट के मुताबिक 2022-23 शैक्षणिक वर्ष के दौरान अमेरिका में उच्च शिक्षा का विकल्प चुनने वाले भारतीय छात्रों की संख्या अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई। यह उछाल पिछले साल की तुलना में 35 फीसदी बढ़ोतरी को दिखाता है। आंकड़ों से पता चला है कि 200,000 से अधिक भारतीय छात्रों ने विभिन्न अमेरिकी संस्थानों में दाखिला लिया, जो कि एक नया रिकॉर्ड है।

कैरियर की संभावनाओं को बढ़ाने के मौके ने अमेरिका को भारतीय छात्रों के लिए एक पसंदीदा जगह बना दिया है। ट्रंप की यह ताजा टिप्पणी उनके विशिष्ट आप्रवासी विरोधी बयानबाजी को छोड़ने का संकेत देती है। ट्रम्प अक्सर आप्रवासियों को सार्वजनिक सुरक्षा, नौकरी की सुरक्षा और सरकारी संसाधनों के लिए खतरा बताते रहे हैं। जब दुनिया भर से सबसे अच्छे और प्रतिभाशाली लोगों को अमेरिका में लाने की योजना के बारे में पूछा गया, तब ट्रम्प ने जवाब दिया 'मैं इसका वादा करता हूं।

गौरतलब है कि ग्रीन कार्ड या स्थायी निवासी कार्ड, अमेरिकी नागरिकता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ट्रम्प की योजना का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली व्यक्तियों को अमेरिका में बनाए रखना है जिन्होंने अमेरिका में अपनी शिक्षा हासिल की है।जो अक्सर इन छात्रों को उनके गृह देशों में वापस लौटते हुए देखते हैं।

इसरो के अंतरिक्षयात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी, रहने का मिलेगा प्रशिक्षण

वॉशिंगटन (एजेंसी)। इसरो के अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी चल रही है। वहां रहने और खुद को सरवाइव करने की ट्रेनिंग देकर उन्हे यात्रा पर भेजा जाएगा। नासा के प्रशासक बिल नेल्सन ने कहा कि अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी इसरो के भी एक अंतरिक्ष यात्री को अंतरराष्ट्रीय स्पेस सेंटर में रहने की ट्रेनिंग देगी। क्रिटिककल और आधुनिक तकनीक (आईसीईटी) को बढ़ावा देने के लिए भारत और अमेरिका मिलकर आगे बढ़ेंगे। उन्होंने कहा, पिछले साल हम भारत गए थे। मानवता की भलाई के लिए भारत और अमेरिका मिलकर काम करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, अंतरिक्ष के क्षेत्र में हम मिलकर काम करेंगे और इसरो के एक अंतरिक्षयात्री को आईएसएस तक जाने, वहां रहने और लौटने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। इसे भविष्य में अंतरिक्ष विज्ञान को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर ये बातें कही हैं।

बिल नेल्सन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन में नासा भारतीय अंतरिक्ष यात्री के साथ संयुक्त अभियान करेगा। बता दें कि दोनों एनएसए ने अंतरिक्ष उड़ान सहयोग और रणणनीतिक ढांचे के विकास के लिए बातचीत की। यह नासा और इसरो अंतरिक्षयात्रियों का पहला संयुक्त प्रयास होगा। संभव है कि इस साल के आखिरी में भारतीय अंतरिक्ष यात्री आईएसएस के लिए उड़ान भरे। संभव है कि इसरो ट्रेनिंग के लिए चार अंतरिक्षयात्रियों का चुनाव करे। नासा और इसरो साथ नासा इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार यानी निसार को लॉन्च करने जा रहे हैं। यह मिशन जलवायु परिवर्तन से निपटने में सहयोगी हो सकता है। यह हर 12 दिन में दो बार पृथ्वी की मैपिंग करेगा। जेक सुलिवन और एनएसएस अजीत डोभाल बीच बातचीत के बाद यह ऐलान किया गया है। इस उपग्रह को नासा और इसरो ने मिलकर तैयार किया है। बता दें कि भारत के सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और उनके समकक्ष जेक सुलीवन के बीच हुई मुलाकात के बाद नेल्सन ने यह बात कही है। सुलिवन ने सोमवार को कहा था कि इसरो के अंतरिक्षयात्रियों को अडवांस ट्रेनिंग दी जाएगी।

बलूचिस्तान में लगातार हो रहा सरकार के खिला विरोध प्रदर्शन, जबरन गायब किए गए लोगों की सुरक्षित रिहाई की मांग

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। बलूचिस्तान के तुर्बत में फिदा चौक से सैकड़ों प्रदर्शनकारी जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने एकत्रित हुए और जबरन गायब किए गए लोगों की सुरक्षित रिहाई की मांग की। बलूच यकजहती समिति (BYC) ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी प्रशासन ने इस मामले पर कोई ध्यान नहीं दिया है। शुक्रवार को यह विरोध प्रदर्शन लगातार पांचवें दिन भी जारी रहा।

'तेज गर्मी में चार दिनों तक धरना देने के बाद, परिवार अब ष्ठ.ष्ट. कार्यालय की ओर मार्च कर रहे हैं, जहाँ वे अपने प्रियजनों के वापस आने तक अपना विरोध जारी रखेंगे। इस कठिन समय में, हम अपने देश से D.C. कार्यालय के सामने धरने में भाग लेने और अपने बुजुर्ग पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को प्रोत्साहित करने का आग्रह करते हैं, क्योंकि उनके दुख और तकलीफें शब्दों से परे हैं,' BYC ने X पर पोस्ट किया।

BYC ने यह भी बताया कि प्रदर्शनकारियों का स्वास्थ्य गंभीर रूप से बिगड़ रहा है क्योंकि पाकिस्तान में इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है। लेकिन, उन्होंने पुष्टि की कि जबरन गायब किए गए पीड़ितों को वापस लाने के लिए प्रदर्शनकारियों का दृढ़ संकल्प 'दृढ़' बना हुआ है।

बाद की पोस्ट में कहा गया अपने प्रियजनों की सुरक्षित वापसी के लिए परिवारों द्वारा किया जा रहा धरना प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा। इस भीषण गर्मी में वे अपनी जान की लड़ाई लड़ रहे हैं, जबकि जिला प्रशासन छुट्टी पर होने का दिखावा कर रहा है। वे धरना प्रदर्शन में शामिल भी नहीं हो पा रहे हैं और इन बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों की बात भी नहीं सुन पा रहे हैं, जो बेहद निराशाजनक है। हम केच के लोगों से इस धरना प्रदर्शन में शामिल होने और अपने बुजुर्गों का समर्थन करने की अपील करते हैं, क्योंकि हम ही उनकी एकमात्र उम्मीद हैं।

इससे पहले, बीवाईसी ने घोषणा की थी कि तुर्बत के शहीद फिदा चौक पर चल रहा धरना तब तक जारी रहेगा, जब तक जबरन गायब किए गए लोगों को सुरक्षित रिहा नहीं कर दिया जाता। बीवाईसी ने आगे कहा कि गायब हुए लोगों की सुरक्षित वापसी के बारे में स्थानीय प्रशासन के वादों के बावजूद, मौजूदा अधिकारियों की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

बीवाईसी ने कहा, 'ईद आ गई और चली गई, लेकिन बलूच परिवार ईद के बाद से लापता अपने प्रियजनों की सुरक्षित वापसी की मांग करते हुए शहीद फिदा चौक तुर्बत पर विरोध प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। जिला प्रशासन ने पहले उन्हें उनके प्रियजनों की रिहाई का झूठा आश्वासन दिया था। अब, कोई भी राज्य प्राधिकरण उनकी मांगों को पूरा करने के लिए आगे नहीं आया है।' बलूच यकजहती समिति ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाने का आह्वान किया और उन सभी बलूच व्यक्तियों की रिहाई की मांग की जिन्हें जबरन गायब कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव करने की तैयारी में चुनाव आयोग, जमीनी स्तर पर शुरु किया काम

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 में जम्मू और कश्मीर की ऐतिहासिक भागीदारी ने भारतीय चुनाव आयोग को मतदाता सूची को अद्यतन करने के साथ केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने के लिए प्रेरित किया है। पिछली बार जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था, जब यह अभी भी एक राज्य था और अनुच्छेद 370 के तहत विशेष दर्जा प्राप्त था। 2019 में, राज्य का विशेष दर्जा रद्द कर दिया गया और दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया। तब से यूटी विधानसभा चुनावों का इंतजार कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रक्रिया पूरी करने के लिए चुनाव आयोग के लिए 30 सितंबर, 2024 की समय सीमा तय की है। बताया जा रहा है, चुनाव आयोग ने केंद्रशासित प्रदेश में जमीनी काम शुरू कर दिया है और विधानसभा चुनाव कराने के लिए अगस्त और सितंबर के बीच की अवधि पर विचार हो रहा है। हालाँकि, चुनाव आयोग ने अभी तक चुनावों के लिए अस्थायी समयसीमा की घोषणा नहीं की है। शुक्रवार को जारी बयान में, चुनाव निकाय ने कहा कि लोकसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है और इन राज्यों में मतदाता सूची को अद्यतन करने की प्रक्रिया 1 जुलाई 2024 को अर्हता तिथि के रूप में निर्धारित की गई है। बयान में कहा गया है कि इसके अलावा, निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन के बाद एक नए सदन के गठन के लिए केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर की विधान सभा के लिए आम चुनाव भी आयोजित किया जाना है।

पुणे कार दुर्घटना मामला : सुनवाई पूरी...फैसला 25 जून को

मुंबई । पुणे कार दुर्घटना मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट ने शुक्रवार को नाबालिग आरोपी की चाची द्वारा उसकी गिरफ्तारी के खिलाफ दायर याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखा। 17 वर्षीय आरोपी पिछले माह कल्याणी नगर में हुई एक सड़क दुर्घटना में कथित रूप से शामिल था, जिसमें दो युवा तकनीशियन मारे गए थे। कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा। कोर्ट 25 जून को अपना फैसला सुनाएगा। मामले की सुनवाई कर हाईकोर्ट ने कहा, पीड़ितों के परिवार सदमे में हैं। लेकिन शराब के नशे में दुर्घटना करने वाला किशोर भी सदमे में है। स्वाभाविक रूप से, इसका उसके दिमाग पर असर पड़ा होगा। इसके पहले 19 जून को पुलिस ने किशोर न्याय बोर्ड (जेजेबी) को अपनी अंतिम रिपोर्ट सौंपी, जिसमें आरोपी के खिलाफ सभी सबूतों का विवरण दिया था। पुलिस ने मामले में सुनवाई के लिए किशोर को वयस्क के रूप में मानने की अनुमति देने के लिए याचिका दायर की थी। उन्होंने कहा, हमने जेजेबी को सभी साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं, जो साबित करते हैं कि वह 19 मई की शाम को अपने घर से शुरू होकर दुर्घटना होने तक पोर्श कार चला रहा था। रिपोर्ट में उन प्रत्यक्षदर्शियों के बयान शामिल हैं, जिन्होंने नाबालिग को कार चलाते हुए देखा, जांच के दौरान बरामद सीसीटीवी फुटेज और कोसी रेस्तरां और ब्लैक क्लब में उसके शराब पीने के साक्ष्य शामिल हैं। अपराध शाखा के अधिकारी ने कहा कि रिपोर्ट किशोर को वयस्क के रूप में सुनवाई के लिए मानने की उनकी याचिका का समर्थन करती है। उन्होंने कहा इस बीच, जांच से पता चला है कि किशोर के रक्त के नमूने, जो उसकी मां के रक्त के नमूनों के साथ बदले गए थे, को ससून जनरल अस्पताल में जैव-चिकित्सा अपशिष्ट के रूप में निपटाया गया था। नाबालिग लड़के की मां और पिता, दो डॉक्टरों- डॉ अजय टावरे और डॉ श्रीहरि हल्नोर - और एक अस्पताल कर्मचारी, अतुल घाटकांबले, वर्तमान में रक्त के नमूने की अदला-बदली के मामले में उनकी कथित संलिप्तता के लिए जेल में हैं।

अदालत में सिंघवी का तक... क्या जजों को बदनाम करने अधिकार

नई दिल्ली । जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को राउज एवेन्यू कोर्ट से गुरुवार शाम को जमानत मिली थी लेकिन शुक्रवार को रिहाई पर रोक लगा दी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में निचली अदालत के जमानत आदेश को चुनौती देकर हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने की वेकेशन बेंच में याचिका लगाई, सुनवाई के बाद हाईकोर्ट ने रिहाई पर रोक लगा दी। एएसजी राजू ने कहा कि मैं तत्काल रोक की मांग कर रहा हूं। हमारी बात निचली अदालत में नहीं सुनी गई। सीएम केजरीवाल का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने स्टे लगाने की मांग का विरोध किया। सिंघवी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दस फैसले हैं कि जमानत रद्द करना जमानत देने से बिल्कुल अलग होता है। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि मामले की पूरी सुनवाई होने तक जमानत आदेश लागू नहीं किया जाएगा। वकील सिंघवी ने दलीलें देकर कहा कि जमानत की सुनवाई कैसी होनी चाहिए? इस बारे में गलत धारणा है। सिर्फ इसलिए कि इसमें राजनीतिक विरोध शामिल है और अगर जज द्वारा सभी मांगों का निपटारा नहीं किया जाता है,तब इससे एएसजी राजू को जज को बदनाम करने का अधिकार मिल जाता है। यह निंदनीय है, दुखद है। सिंघवी ने कहा कि ईडी पूरी तरह से पक्षपातपूर्ण है। हर तर्क में पूरी तरह पक्षपात दिखता है। निचली अदालत में मामला पांच घंटे चला। राजू ने करीब 3 घंटे 45 मिनट का समय लिया और फिर ट्रायल जज पर दोष मढ़ दिया। सिंघवी ने हाईकोर्ट में दलील दी कि ईडी को लगता है कि चूंकि सीएम का मामला है, तब घंटों सुना जाना चाहिए और जज को निबंध लिखना चाहिए।

यादव सरकार में मंत्री शाह ने मदरसों को लेकर दिया बड़ा बयान

खंडवा । मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने मदरसों को लेकर बड़ा बयान दिया है। मंत्री शाह ने कहा है कि हिंदुस्तान में कोई भी शिक्षण संस्थान अगर तिरंगे का अपमान करेंगी, यहां राष्ट्रगान नहीं होगा, तब उनका बहुत-कुछ बंद हो जाएगा। उन्होंने यह बात खंडवा के हॉली स्प्रिट कॉन्वेंट स्कूल में कही। शाह ने अंतरराष्ट्रीय विश्व योग दिवस पर स्कूल में योग किया। गौरतलब है कि जनजातीय कार्य मंत्री शाह दो दिन पहले भी इसी तरह की मांग की थी। उन्होंने कहा था कि मैं कुछ समय के लिए स्कूल शिक्षा मंत्री था। तब ये आदेश निकाला था कि हर सरकारी, प्राइवेट स्कूल में झंडा वंदन होगा, जन गण मन होगा। लेकिन उस आदेश में थोड़ी सी कमी रह गई थी। वह आदेश छठवीं से 12वीं तक के विद्यालयों के लिए था। लेकिन इस आदेश को पहली से लागू कर दिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मेरा अनुरोध है। उनकी इस बात ने पूरे प्रदेश में सुर्खियां बटोरी थीं। कैबिनेट और जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने जब मदरसों में राष्ट्रगान और ध्वजारोहण अनिवार्य करने की मांग की थी, तब मध्य प्रदेश के स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने नकार दिया था।

नीट पेपर लीक मामले में देशभर में कांग्रेस का धरना-प्रदर्शन

नई दिल्ली । भारत में नीट यूजी के रिजल्ट पर हंगामा बपर हुआ है। परीक्षा में धांधली को लेकर मध्यप्रदेश सहित देशभर में कांग्रेस जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है।मेडिकल व डेंटल कॉलेजों में दाखिले के लिए हुए नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट फॉर यूजी (नीट-यूजी) में हुई गड़बड़ियों के विरोध में स्टूडेंट्स जमकर विरोध प्रदर्शन कर रहे है। कांग्रेस ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भोपाल, दिल्ली, जम्मू, लखनऊ, तेलंगाना सहित देश भर में पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कांग्रेस मांग कर रही है कि स्टूडेंट्स की चिंताओं का समाधान तत्काल किया जाए। **भोपाल में कांग्रेस का धरना** - वहीं नीट परीक्षा को लेकर अभ्यर्थियों को कांग्रेस की यूथ विंग का भी साथ मिल गया है। भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर कांग्रेस के धरना-प्रदर्शन में पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी सहित कई बड़े नेता शामिल है। कांग्रेस ने एनडीए सरकार का पुतला भी दहन किया। विपक्षी नेता आरोपों के तीर छोड़ रहे हैं। सत्तारूढ़ दल, परीक्षा एजेंसी और अफसर बचाव में बयान दे रहे हैं। मध्यप्रदेश कांग्रेस का आरोप हैं कि मध्यप्रदेश में पांच अलग-अलग तरह की परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। इन पांच परीक्षाओं में कुल 3 हजार 690 पदों पर आवेदन मांगे गए थे, इसमें 1 लाख 64 अभ्यर्थी परीक्षा में बैठने वाले थे। आरोप हैं कि पिछले दिनों ही इंदौर में कांग्रेस नेता अक्षय कांति बम की अगुआई में चलने वाले एक कॉलेज से पेपर लीक हुए थे। इस मामले में पुलिस ने कुछ गिरफ्तारियां भी की हैं।

दिल्ली के लोगों को राहत, 27 जून से देश के कई हिस्सों में होगी बारिश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों में आज बारिश और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक दिन में दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहने का अनुमान है। आज यानी शुक्रवार को अधिकतम और न्यूनतम तापमान 40 और 29 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

इससे पहले गुरुवार को मौसम विभाग ने कहा था कि हल्की बारिश और आंधी ने दिल्ली में गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिली है। उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ ने गुरुवार को उत्तर भारत के कुछ हिस्सों को प्रभावित किया, जो भीषण गर्मी की चपेट में था। विभाग ने कहा कि अगले चार से पांच दिनों में देश के ज्यादातर हिस्सों में लू नहीं चलेगी।

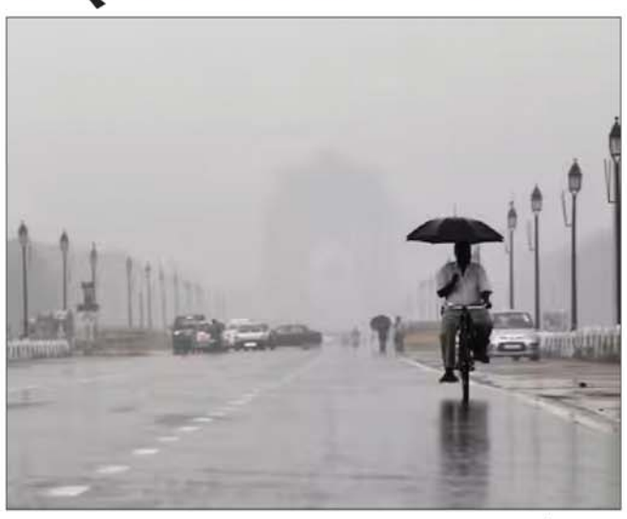

अनुमान है कि मानसून 27 जून से तीन जुलाई तक मध्य भारत और उत्तर-पश्चिम भारत के ज्यादातर हिस्सों में आ जाएगा। मौसम विभाग ने कहा कि पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान, उत्तरी मध्य प्रदेश और यूपी के कई हिस्सों में 20 जून को लू की स्थिति खत्म हो गई है। पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से निचले स्तर की पूर्वी हवाओं के प्रभाव के तहत, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, उत्तरी हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तरी यूपी में काफी व्यापक रूप से हल्की बारिश देखी गई है। सुबह 8.30 बजे खत्म होने वाले 24 घंटों में उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश देखी गई और हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में अलग-अलग स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।

लू के कारण दिल्ली समेत उत्तर भारत में हीट स्ट्रोक से मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हुई, जिसके बाद केंद्र ने अस्पतालों को रोगियों की देखभाल के लिए विशेष इकाइयां स्थापित करने के लिए की सलाह दी थी। भीषण गर्मी ने पानी की सप्लाई और बिजली ग्रिडों को प्रभावित कर दिया है, जिससे दिल्ली और हरियाणा के लोग जल संकट से जूझ रहे हैं।

ढाई साल बाद प्रतिज्ञा पूरी होने पर आंध्रप्रदेश विधानसभा लौटे नायडू

अमरावती। मैं सत्ता में लौटने तक सदन से दूर रहूंगा। इस प्रतिज्ञा के साथ, टीडीपी प्रमुख और राज्य के पूर्व सीएम चंद्रबाबू नायडू नवंबर 2021 में तत्कालीन सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस के सदस्यों के साथ भावनात्मक और तीखी नोकझोंक के बाद आंध्र प्रदेश विधानसभा से चले गए थे। लगभग ढाई साल बाद, नायडू ने शुक्रवार को अपनी प्रतिज्ञा पूरी कर मुख्यमंत्री के रूप में आंध्रप्रदेश विधानसभा में लौट आए। अपने से बहुत छोटे जगन मोहन रेड्डी के हाथों अपमानजनक हार झेलने के पांच साल बाद, नायडू ने सहयोगी भाजपा और जनसेना पार्टी (जेएनपी) के साथ मिलकर अपनी पार्टी को आंध्र प्रदेश विधानसभा चुनावों में भारी जीत की ओर अग्रसर किया। अपने नवीनतम कार्यकाल में नायडू की प्राथमिकताओं में मुख्यमंत्री अमरावती का विकास है। उन्होंने ग्रीनफील्ड राजधानी में रुकी हुई परियोजनाओं का जायजा लेने के बाद कहा कि वह अमरावती को लेकर दुविधा में हैं। उन्होंने अमरावती की स्थिति पर जल्द ही एक श्वेत पत्र जारी करने और आगे बढ़ने के लिए लोगों से सुझाव लेने का वादा किया। पिछले वाईएसआरसीपी शासन के तहत अमरावती राजधानी शहर परियोजना 2019 से 2024 तक रुकी रही। हालाँकि, सरकार में बदलाव ने राजधानी शहर परियोजना में जान फूंक दी है, क्योंकि नायडू ने घोषणा की है कि अमरावती आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी होगी।

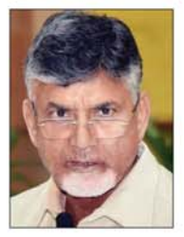

विदेश मंत्रालय ने किया साफ, हज यात्र के दौरान कम से कम 98 भारतीय यात्रियों की अब तक जा चुकी है जान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत से हज यात्रियों की मौत पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने बताया कि इस साल अब तक 175,000 भारतीय तीर्थयात्री हज यात्रा पर गए हैं। अब तब 98 भारतीय तीर्थयात्री हैं जिनकी हज के दौरान मौत हो गई है। उन्होंने विस्तार से बताया कि इस वर्ष हमारे 175,000 भारतीय पहले ही हज पर जा चुके हैं। अब तक हम अपने 98 नागरिकों को खो चुके हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये मौतें प्राकृतिक बीमारी, प्राकृतिक कारणों, पुरानी बीमारी और बुढ़ापे के कारण भी हुई हैं।

रणधीर जयसवाल ने बताया कि अराफ़ात के दिन छह भारतीयों की मृत्यु हो गई और चार भारतीयों की मृत्यु दुर्घटनाओं के कारण हुई। पिछले साल हज में मरने वाले भारतीयों का आंकड़ा 187 था। अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के भारत दौरे को लेकर विदेश मंत्रालय का भी बयान सामने आया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि यह सात सदस्यीय कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल था जिसने 16 से 20 जून तक भारत का दौरा किया। इसका नेतृत्व हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी के अध्यक्ष प्रतिनिधि माइकल मैककॉल ने किया। उन्होंने 18 और 19 जून को धर्मशाला का दौरा किया। उन्होंने प्रधानमंत्री से भी मुलाकात की। उन्होंने विदेश मंत्री और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से भी मुलाकात की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साफ तौर पर कहा कि मैं परम पावन दलाई लामा पर भारत की स्थिति को दोहराना चाहूंगा। वह एक सम्मानित धार्मिक नेता हैं और भारत के लोग उनका गहरा सम्मान करते हैं। परम पावन को अपनी धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों के संचालन के लिए उचित शिष्टाचार और स्वतंत्रता दी गई है। अमेरिका के एक शीर्ष सांसद ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कहा कि चीन को कड़ा संदेश देने के लिए मिलकर काम करना भारत और अमेरिका के रणनीतिक हित में है। उन्होंने कहा कि दोनों लोकतांत्रिक देशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अगली पीढ़ी के हथियारों और प्रौद्योगिकी के उत्पादन में वे अग्रणी बने रहें। सांसद माइकल मैककॉल ने नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री के साथ एक मुलाकात के दौरान यह बात कही।

तमिलनाडु में जहरीली शराब से मरने वालों की संख्या 47 हुई, कई गंभीर

-सीएम ने कहा-लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को बख्शा नहीं जाएगा

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के कल्लकुरिची जिले में जहरीली शराब पीने से मरने वाले लोगों की संख्या 47 पहुंच गई है। 60 से ज्यादा लोग अस्पतालों में भर्ती कराए गए हैं। मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने घटना पर दुःख व्यक्त किया और इसे रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। स्टालिन ने मृतकों के परिवार को दस-दस लाख रुपए और अस्पताल में भर्ती लोगों को 50-50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी गोकुलदास की मौजूदगी में गठित एक सदस्यीय आयोग ने मामले की जांच करने की घोषणा की है, जिसकी रिपोर्ट तीन महीने के अंदर पेश करने को कहा गया है। स्टालिन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कल्लकुरिची में मिलावटी शराब पीने वाले लोगों की मौत की खबर सुनकर मैं स्तब्ध और दुःखी हूं। इस अपराध में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसे रोकने में विफल रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की गई है। राज्यपाल आर.एन. रवि ने भी शोक व्यक्त करते हुए बीमारों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने कहा कि कल्लकुरिची में अवैध शराब के सेवन से हुई मौतों से गहरा सदमा लगा है। कई और पीड़ित गंभीर हालत में हैं और जिंदगी के लिए संघर्ष कर रहे हैं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है और अस्पतालों में भर्ती लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। राज्य के कई हिस्सों से अवैध शराब के सेवन से अक्सर लोगों की दुःखद मौत की खबरें आती हैं। यह अवैध शराब के उत्पादन और खपत को रोकने में हो रही चूक को दर्शाता है। यह गंभीर चिंता का विषय है।

पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना विकास की कोशिश होनी चाहिए : प्रियंका गांधी

नयी दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने भीषण गर्मी और लू के कारण हुई कई मौतों पर चिंता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि विकास इस तरह से होना चाहिए कि पर्यावरण को नुकसान नहीं हो और लोगों की तरक्की भी हो सके। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''कई राज्यों में बड़ी संख्या में पेड़ काटे जाने संबंधी खबरें देखीं। दूसरी तरफ, गर्मी से पूरे देश में मौतें हो रही हैं। बढ़ता तापमान नये रिकॉर्ड बना रहा है। इस बार अप्रैल का महीना जलवायु के इतिहास में सबसे गर्म अप्रैल के रूप में दर्ज हुआ है।'' प्रियंका गांधी ने कहा कि विकास कार्य जरूरी हैं, लेकिन हमें ज्यादा से ज्यादा पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, '' हम सबको मिलकर ऐसे विकास की कोशिश करनी होगी, जो हमारे पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना हमें आगे बढ़ाए।

सैक्सटॉर्शन के जरिए सर्वाधिक ठगी का शिकार होते हैं युवा और बुजुर्ग

नई दिल्ली (एजेंसी)। आजकल साइबर ठग लड़कियों की डीपी लगाकर फेसबुक या इंस्टाग्राम पर दोस्ती करते हैं। इसके बाद व्हाट्स एप पर नंबर लेकर वीडियो कॉल करते हैं। अचानक ही युवती की अश्लील वीडियो स्क्रीन पर दिखने लगती है। सामने वाला वीडियो कॉल रिकार्ड कर लेता है। वीडियो दिखाकर वसूली का खेल चल रहा है। इसमें सबसे ज्यादा युवा और बुजुर्ग फंस रहे हैं।

साइबर सेल के एक एक्सपर्ट ने सेक्सटार्शन से बचाने के लिए स्टिंग ऑपरेशन करके सोशल मीडिया पर वीडियो साझा किया है। वीडियो में दिखाया है कि कैसे साइबर ठग रिकार्डेड पोर्न वीडियो को स्क्रीन पर ऑन करके सामने वाले से अश्लील बात करते हैं। इस जाल में फंसने वाला शर्म के मारे किसी से शिकायत नहीं करता और रुपये भेजता है। पुलिस ने शर्म छोड़कर साइबर सेल में शिकायत करने की सलाह दी है। पुलिस का कहना है कि ऐसी गैंग सक्रिय हैं जो लड़कियों का झांसा देकर युवाओं और व्यापारियों को फंसाती है और मोटी रकम वसूलती है।क्षेत्र के एक चर्चित डॉक्टर को युवती बनकर साइबर ठग ने फेसबुक पर संपर्क किया। फ्रेंड रिकवेस्ट भेजी। व्हाट्स एप नंबर लिया। तीन दिन तक उनके साथ चैटिंग की। इसके बाद रात में अश्लील वीडियो कॉल करने लगा। न्यूड वीडियो कॉल को रिकार्ड करके डॉक्टर से रुपये मांगे। इसके बाद धमकी दी कि उनका वीडियो यूट्यूब पर अपलोड का देगा। यही नहीं, दिल्ली क्राइम ब्रांच के नाम पर उनको धमकी दी गई। डॉक्टर ने कई बार में कुल 10 लाख रुपये साइबर ठग के चार बैंक खातों में जमा कर दिए। ब्लैकमेलिंग की जा रही थी। आखिर में डॉक्टर ने साइबर थाने में मुकदमा दर्ज कराया।

महाराष्ट्र में शिंदे के मंत्री के पाला बदलने की खबरों ने मचाई हलचल

-भुजबल, अजित की पत्नी सुनेत्रा के राज्यसभा नामांकन से हैं नाराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र की शिंदे सरकार के खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल की महाराष्ट्र के बड़े नेताओं में गिनती होती है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के वरिष्ठ नेता को तेजतर्रार नेता के रूप में जाना जाता है। भुजबल ने एक बार फिर अपनी पार्टी और महायुति गठबंधन की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। इस बार उन्होंने मराठा आरक्षण और पार्टी प्रमुख अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा के राज्यसभा नामांकन का मुद्दा उठाया है।

हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के खराब प्रदर्शन को लेकर बीजेपी, सीएम एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित की एनसीपी जैसे महायुति सहयोगियों में टेंशन बना हुआ है। इस बीच भुजबल के अपनी पार्टी छोड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं। ऐसे में इस साल अक्टूबर में महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले शिंदे सरकार की मुश्किलें बढ़ी हुई हैं। साथ ही अजित पवार के साथ खेला हो सकता है।

छगन भुजबल ने बीते दिनों इस बात को दोहराया कि मराठा समुदाय को ओबीसी के कोटे में से आरक्षण नहीं दिया जा सकता। उन्होंने राज्य में जाति आधारित जनगणना कराने की अपनी मांग भी दोहराई। भुजबल का बयान मराठा आरक्षण कार्यकर्ता लक्ष्मण हाके और नवनाथ वाघमारे के विरोध प्रदर्शन के बीच आया जो पिछले छह दिन से अनशन पर हैं।

भुजबल ने कहा कि वे मराठा समुदाय को आरक्षण दिए जाने के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन इससे ओबीसी आरक्षण प्रभावित नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मराठा समुदाय को ओबीसी कोटे से आरक्षण नहीं दिया जा सकता। हम यह बात नहीं कह रहे, बल्कि पहले चार आयोग यह बात कह चुके हैं। देश की उच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने भी इसके लिए इनकार कर दिया है। साथ ही राज्य में जाति आधारित जनगणना से ओबीसी समुदाय के लिए और धन आवंटन का रास्ता साफ होगा। उन्होंने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे के प्रदर्शन का जिक्र करते हुए कहा कि फिर से ओबीसी कोटे में से मराठा समुदाय के लिए आरक्षण की मांग उठ रही है।

छगन भुजबल ने कहा था कि उनकी इच्छा सांसद बनने की है और इसीलिए वह नासिक से लोकसभा चुनाव लड़ना चाहते थे। वह राज्यसभा नामांकन के लिए भी उत्सुक थे। भुजबल महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम और एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को राज्यसभा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद वह परेशान हैं। क्या लोकसभा और राज्यसभा टिकट को लेकर उनके साथ अन्याय हुआ है? इस पर भुजबल ने कहा कि यह सवाल उनसे पूछा जाना चाहिए।

भुजबल की नाराजगी पर अजित पवार ने कहा कि उनकी पार्टी के सहयोगी ने खुद उनसे कहा था कि वह नाराज नहीं हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष समेत कुछ लोग और हमारे करीबी मित्र ऐसी अफवाह फैला रहे हैं, लेकिन उनमें कोई सच्चाई नहीं है। इस बीच, शिवसेना (यूबीटी) अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने भुजबल के एनसीपी से बाहर निकलने की खबरों का जिक्र कर दिया।

भुजबल ने ऐसे किसी भी कदम से इनकार किया है। सुनेत्रा पवार के राज्यसभा नामांकन से नाराजगी पर उन्होंने कहा कि वह परेशान नहीं हैं। राजनीतिक दल में रहते समय आपको मिलजुलकर फैसले लेने होते हैं। हर चीज किसी की इच्छा से नहीं होती। उन्होंने कहा कि वह निर्दलीय नहीं हैं कि अपनी मर्जी से चलेंगे।

भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का नया कीर्तिमान

- मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में नडाबेट में गौरवपूर्वक मनाया गया 10वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

- सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक योग को पहुँचाने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद (ईएमएस)7 इतिहास में पहली बार भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बनासकाँठा स्थित ज़ीरो पॉइंट नडाबेट में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल तथा विधानसभा अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी की प्रोत्साहक उपस्थिति में शुक्रवार को राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पहली बार अंतरराष्ट्रीय सीमा पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मना कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर श्रीनगर से किए गए संबोधन का सीधा प्रसारण भी देखा गया। राज्य योग बोर्ड द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री ने राज्य के लोगों को शुभकामनाएँ देते हुए योग को दैनिक जीवन में अपनाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने जोड़ा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हमारी प्राचीन परंपरा योग को वैश्विक पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि राज्य में सवा करोड़ से अधिक लोग आज विश्व योग दिवस समारोह में सहभागी हुए हैं, जो आनंद की बात है। उन्होंने जोड़ा कि सुदूरवर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक योग को पहुँचाने के लिए राज्य सरकार कटिबद्ध है। राज्य में योग के प्रचार-प्रसार के लिए 51 योग स्टूडियो की स्थापना की गई है। पटेल ने योग के महत्व के विषय में चर्चा करते हुए कहा कि योग स्वास्थ्य सुख का सबल माध्यम बना है। तनावमुक्त व स्वास्थ्यप्रद जीवन शैली के लिए योग उत्तम उपाय है। योग आत्मविश्वास नहीं, अपितु आत्म संयम है। उन्होंने जोड़ा कि स्वास्थ्य सुख के लिए योग सर्वोत्तम है। कोरोना काल में योग ने घर-घर में स्वीकृत प्राप्त की थी। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों के चलते संयुक्त राष्ट्र संघ (हह) द्वारा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया है। आज विश्व के कोने-कोने में योग पहुँचा है। योग लोगों को स्वस्थ जीवन शैली की प्रेरणा प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी नागरिकों को निरामय जीवन की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि हम सभी नियमित योगाभ्यास के माध्यम से जीवन को सार्थक बनाने के लिए संकल्पबद्ध बनें।

विधानसभा अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी ने सीमावर्ती क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह के आयोजन के लिए राज्य योग बोर्ड तथा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल का आभार व्यक्त किया। चौधरी ने योग दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया योग के महत्व को समझने लगी है। जहाँ मानवता है, वहाँ योग है। उन्होंने जोड़ा कि शरीर के सुख के लिए नहीं, अपितु संपूर्ण शाश्वत सुख के लिए योग आवश्यक है।

राज्य योग बोर्ड के अध्यक्ष शीशपाल राजपूत ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में सहभागी हुए सभी लोगों का स्वागत किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय योग प्रॉटोकोल के अनुसार विभिन्न आसनों व प्राणायामों का निदर्शन कर योग कराए। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में योग अपनाए जाएँ तो योगी व निरोगी बनने के साथ समाज में सहयोगी एवं उपयोगी बनने की प्रेरणात्मक ऊर्जा मिलती है।

उल्लेखनीय है कि प्रति वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष 'स्वयं और समाज के लिए योग' थीम पर राज्य में विभिन्न स्थानों पर योग दिवस मनाया गया। राज्य स्तरीय समारोह का सीधा प्रसारण समग्र राज्य में किया गया। नडाबेट में आयोजित राज्य स्तरीय अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में खेल, युवा एवं सांस्कृतिक गतिविधि विभाग के प्रधान सचिव अश्विनी कुमार, सीमा सुरक्षा बल के महानिरीक्षक अभिषेक पाठक, पूर्व सांसद परबतभाई पटेल, विधायक केशाजी चौहाण, प्रवीणभाई माळी, अनिकेत ठाकर, लविंगजी सोलंकी, बनासकाँठा जिला कलेक्टर वरुण कुमार बरनवाल, जिला पुलिस अधीक्षक अक्षयराज मकवाणा, सुईगाम प्रांत अधिकारी कार्तिक जीवाणी सहित अधिकारीगण, कर्मचारीगण, योग प्रशिक्षक, योग प्रेमी, योगाभ्यर्थी सहित लगभग 3000 लोग सहभागी हुए।

शेयर बाजार की तेजी थमी, चार दिन बाद गिरे सेंसेक्स-निफ्टी

मुंबई । ब्याज की ऊंची दर को झेलने के लिए दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका मजबूत है या नहीं, का पता लगाने के लिए कराये जा रह कारोबार सर्वे की रिपोर्ट जारी होने से पहले विश्व बाजार में आई गिरावट से हतोत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर ऊर्जा, एफएमसीजी, कैपिटल गुड्स और तेल एवं गैस समेत तेरह समूहों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार चार दिन बाद गिरकर बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 269.0 अंक लुढ़ककर 77,209.90 अंक रह गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 65.90 अंक टूटकर 23,501.10 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.26 प्रतिशत फिसलकर 45,967.07 अंक जबकि स्मॉलकैप 0.06 प्रतिशत बढ़कर 51,936.53 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3987 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2086 में बिकवाली जबकि 1784 में लिवाली हुई वहीं 117 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 32 कंपनियों के शेयरों में गिरावट जबकि 18 में तेजी रही।

बीएसई के 13 समूहों में बकवाली का दबाव रहा। इससे कमोडिटीज 0.92, सीडी 0.39, ऊर्जा 1.02, एफएमसीजी 1.08, वित्तीय सेवाएं 0.28, हेल्थकेयर 0.10, इंडस्ट्रियल्स 0.47, यूटिलिटीज 0.22, ऑटो 0.71, बैंकिंग 0.22, कैपिटल गुड्स 0.96, तेल एवं गैस 1.28 और रियल्टी समूह के शेयर 0.75 प्रतिशत टूट गए।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गिरावट का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.70, जर्मनी का डैक्स 0.54, जापान का निक्केई 0.09, हांगकांग का हैंगसेंग 1.67 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 0.24 प्रतिशत उतर गया।

कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 251 अंक की तेजी के साथ 77,729.48 अंक पर खुला और लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 77,808.45 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

वहीं, बिकवाली के दबाव में यह कारोबार के अंतिम चरण में 76,802.00 अंक के निचले स्तर तक टूट गया।

अंत में पिछले दिवस के 77,478.93 अंक के मुकाबले 0.35 प्रतिशत की गिरावट लेकर 77,209.90 अंक पर बंद हुआ।

इसी तरह निफ्टी भी 94 अंक बढ़कर 23,661.15 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 23,667.10 अंक के उच्चतम जबकि 23,398.20 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 23,567.00 अंक की तुलना में 0.28 प्रतिशत कमजोर होकर 23,501.10 अंक पर आ गया।

इस दौरान सेंसेक्स की गिरावट पर रही प्रमुख कंपनियों में अल्ट्रासिमको 2.22, एलटी 1.78, टाटा मोटर्स 1.74, नेस्ले इंडिया 1.71, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.63, टाटा स्टील 1.37, रिलायंस 1.34, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.17, बजाज फाइनेंस 1.07, आईटीसी 0.89, एसबीआई 0.88, टाइटन 0.88, एशियन पेंट 0.85, एक्सिस बैंक 0.55, सन फार्मा 0.40, एचडीएफ़सी बैंक 0.22 और टेक महिंद्रा 0.02 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, भारती एयरटेल 2.32, इंफ़ोसिस 1.08, टीसीएस 0.59, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.54, एनटीपीसी 0.50, कोटक बैंक 0.48, पावरग्रिड 0.37, एचसीएल टेक 0.26, मारुति 0.20 और विप्रो के शेयर 0.01 प्रतिशत की बढ़त पर रहे।

कुशल वरिष्ठ और मध्यम वरिष्ठ डेवलपरों की बड़े पैकेज के साथ् बढ़ रही मांग : स्केलर

नयी दिल्ली। अग्रणी शिक्षा प्रदाता स्केलर की एक रिपोर्ट के अनुसार सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट क्षेत्र में भर्ती करने वाले लोग वरिष्ठ डेवलपर जैसी प्रमुख भूमिकाओं के लिए सक्रिय रूप से उम्मीदवारों की तलाश कर रहे हैं, जिसमें कंपनियां 32.04 लाख रुपये प्रति वर्ष का औसत पैकेज और मध्यम वरिष्ठ डेवलपर के लिए 34.69 लाख रुपये प्रति वर्ष का औसत पैकेज प्रदान कर रही हैं।

स्केलर ने यहां जारी अपनी रिपोर्ट में कहा कि सेवा-आधारित कंपनियों में सिस्टम इंजीनियर और सपोर्ट इंजीनियर की भूमिकाओं से आगे बढ़ने वाले तकनीकी पेशेवरों को अपस्किलिंग के बाद सबसे अधिक वेतन वृद्धि मिल रही है। इसके अतिरिक्त रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि डेटा विज्ञान और मशीन लर्निंग क्षेत्रों में उच्च-भुगतान वाली भूमिकाएँ भी उच्च माँग में हैं। वरिष्ठ डेटा वैज्ञानिक और वरिष्ठ डेवलपर औसत वेतन पैकेज में सबसे ऊपर हैं और ये 20.28 लाख रुपये वार्षिक और 24.06 लाख रुपये वार्षिक कमा रहे हैं। अपस्किलिंग के बाद वरिष्ठ मशीन लर्निंग इंजीनियर पदों पर आगे बढ़ने वाले पेशेवरों को सबसे अधिक वेतन वृद्धि मिल रही है, जिसमें औसतन 150 प्रतिशत की वृद्धि हो रही है।

बी2के एनालिटिक्स द्वारा मूल्यांकन की गई कैरियर ट्रांज़िशन असेसमेंट रिपोर्ट, जो आईआईएम अहमदाबाद की प्लेसमेंट रिपोर्ट का भी ऑडिट करती है, यह दर्शाती है कि सॉफ़्टवेयर डेवलपमेंट प्रोग्राम से शीर्ष 25 प्रतिशत शिक्षार्थी 48 लाख रुपये प्रति वर्ष का औसत पैकेज प्राप्त कर रहे हैं, जबकि बीच के 80 प्रतिशत को 25 लाख रुपये प्रति वर्ष का औसत पैकेज मिल रहा है।

डेटा साइंस प्रोग्राम के स्नातकों के लिए यही संख्या क्रमश: 35 लाख रुपये और 18 लाख रुपये वार्षिक है।

रिपोर्ट में अमेजन, माइक्रोसाफ्ट और गूगल जैसी प्रमुख टेक कंपनियों द्वारा इन कौशलों वाले प्रतिभाओं की भर्ती करने की प्रवृत्ति का भी पता चलता है। साथ ह एक्सप्रेसबीस, वालमार्ट ,ओरेकल, सेल्सफोर्स,सैमसंग और पेपल जैसे अन्य क्षेत्रों के प्रमुख नाम अपस्किल्ड पेशेवरों की तलाश कर रहे हैं। यह मांग टीसीएस और काग्निजेंट जैसी कंपनियों और डेलॉयट और ईवाई जैसी पेशेवर सेवा दिग्गजों तक फैली हुई है।

स्केलर और इंटरव्यूबिट के सह-संस्थापक अंशुमान सिंह ने कहा स्केलर में हमारा उद्देश्य टेक पेशेवरों को आज के प्रतिस्पर्धी परिदृश्य में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल से लैस करना है। इस प्लेसमेंट रिपोर्ट के निष्कर्ष करियर की संभावनाओं को बढ़ाने और उद्योग की मांगों को पूरा करने में अपस्किलिंग के ठोस लाभों को रेखांकित करते हैं। जैसे-जैसे उद्योग भर के संगठन तेजी से तकनीकी प्रगति कर रहे हैं, अनुकूलनीय और कुशल पेशेवरों की मांग बढ़ती जा रही है।

उद्योग-संरेखित पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए स्केलर की प्रतिबद्धता सुनिश्चित करती है कि हमारे स्नातकों के पास प्रासंगिक कौशल हों, जिनकी अग्रणी टेक नियोक्ताओं द्वारा अत्यधिक मांग की जाती है।

यह न केवल व्यक्तियों को अपने करियर के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाता है, बल्कि एक अधिक कुशल और भविष्य-प्रूफ टेक कार्यबल में भी योगदान देता है।

स्केलर एकेडमी और स्केलर डीएसएमएल (डेटा साइंस एंड मशीन लर्निंग) के अपस्किलिंग कार्यक्रमों के शिक्षार्थियों ने पिछले दो वर्षों में क्रमश: 150 प्रतिशत और 110 प्रतिशत की औसत वेतन वृद्धि हासिल की है, औसत वेतन वृद्धि में वृद्धि लगातार विकसित हो रहे तकनीकी परिदृश्य में कुशल पेशेवरों की निरंतर मांग को दर्शाती है।

यह प्रवृत्ति 2022 की रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुरूप है, जो उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपस्किलिंग की निरंतर आवश्यकता को दर्शाती है। रिपोर्ट में शिक्षार्थियों के औसत वेतन में पर्याप्त उछाल पर प्रकाश डाला गया है। अपस्किलिंग से पहले, शिक्षार्थियों का औसत सीटीसी 17.77 लाख रुपये प्रति वर्ष था, जो अब अपस्किलिंग के बाद बढ़कर 33.73 लाख रुपये प्रति वर्ष हो गया है। समानांतर रूप से, अपस्किलिंग से पहले डेटा साइंस समूह के शिक्षार्थियों का औसत वेतन 15.47 लाख रुपये प्रति वर्ष था।

कृषि संगठनों और कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ बजट को लेकर चर्चा

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को यहां आम बजट 2024-25 की तैयारियों के मद्देनजर कृषि संगठनों और कृषि अर्थशास्त्रियों के साथ बजट-पूर्व चर्चा की।

वित्त मंत्रालय ने एक्स पर यह जानकारी देते हुये कहा कि इस बैठक में कृषि संगठनों और इस क्षेत्र के अर्थशास्त्रियों ने अपने सुझाव दिये और विचार रखे। वित्त मंत्री ने इस बैठक की अध्यक्षता की। यह बजट पूर्व चौथी बैठक थी।

बैठक में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, वित्त सचिव; आर्थिक मामलों, राजस्व, वित्तीय सेवाओं और कंपनी मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों के साथ ही कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार भी इसमें शामिल हुए।

उल्लेखनीय है कि आम चुनाव में मद्देनजर इसबार फरवरी में अंतरिम बजट पेश किया गया था। आम चुनाव के बाद अब फिर से सीतारमण को वित्त मंत्रालय का कार्यभार मिला है और वे अब पूर्ण बजट की तैयारियां शुरू कर दी।

नव निर्वाचित 18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होने जा रहा है। यह सत्र तीन जुलाई तक चलेगा जिसमें शुरू में लोकसभा के लिए निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलायी जाएगी और उसके बाद लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव किया जाएगा।

इस सत्र में नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ, स्पीकर के चुनाव, राष्ट्रपति का अभिभाषण और उस पर चर्चा होगी। राज्यसभा का 264वां सत्र 27 जून से शुरू होगा और तीन जुलाई तक चलेगा।

ऐसी उम्मीद है कि संसद का यह सत्र दो चरणों में संपन्न हो सकता है। इसका दूसरा चरण 22 जुलाई से 9 अगस्त तक चल सकता है तथा इसी दौरान वित्त मंत्री बजट पेश करेंगी और इस पर चर्चा कर इसे पारित कराया जायेगा।

श्रीलंका में भी बजेगा हिमट्रेडिशन ब्रांड के उत्पादों का डंका

पालमपुर। जाइका वानिकी परियोजना का अपना ब्रांड हिमट्रेडिशन के उत्पादों का डंका अब पड़ोसी देश श्रीलंका में भी बजेगा।

जाइका परियोजना से जुड़े स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को खरीद कर जाइका श्रीलंका की टीम के चेहरे प्रफुल्लित हुए। दो दिवसीय हिमाचल दौरे पर पहुंचे श्रीलंका के प्रतिनिधियों ने पालमपुर के समीप गोपालपुर मार्केटिंग आउटलैट से हिमट्रेडिशन ब्रांड के ऑर्गेनिक प्रोडक्ट्स की खरीददारी की। इस दौरान हिमाचली टोपी, शॉल, आचार, चटनी, पत्तल, बैग सहित कई अन्य उत्पादों की खूब बिक्री हुई। गुरुवार को वन मंडल पालमपुर के डरोह रेंज के तहत चौपाटी महादेव भोड़ा में महिला स्वयं सहायता समूहों के साथ संवाद सत्र का आयोजन किया गया। जाइका इंडिया की प्रोजेक्ट फॉर्मूलेशन एडवाइजर इनागाकी युकारी ने हिमाचल में हो रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हिमाचल में सफल प्रबंधन के मुताबिक जाइका वानिकी परियोजना चल रही है और श्रीलंका की टीम को दो दिनों तक काफी कुछ सीखने को मिला।

श्री युकारी ने कहा कि हिमाचल में जाइका वानिकी परियोजना की सफलता की कहानी अब श्रीलंका में पढ़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जाइका से जुड़े सभी स्वयं सहायता समूहों की मेहनत रंग ला रही है और आजीविका सुधार के साथ ही आय सृजन में सफलता मिल रही है। उन्होंने हिमट्रेडिशन ब्रांड की भी तारीफ की। संवाद सत्र के पश्चात श्रीलंका की टीम ने जयसिंहपुर रेंज के अंतर्गत नर्सरी फार्म शिवनगर का दौरा किया। इस अवसर पर मुख्य परियोजना निदेशक समीर रस्तोगी, परियोजना निदेशक श्रेष्ठा नंद, प्रोग्राम मैनेजर विनोद शर्मा, डा. कौशल्या कपूर, प्रिया, शिवानी वालिया समेत वन विभाग और जाइका वानिकी परियोजना की टीम मौजूद रही।

वाइब्रेंट इकोनॉमिक हब के रूप में विकसित होगी 'पीतल नगरी'

मुरादाबाद को अगले सात साल में विकसित करने के लिए योगी सरकार ने खींचा खाका

लखनऊ। प्रदेश के प्रत्येक जिले को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प को पूरा करने में जुटी योगी सरकार पीतल नगरी के नाम से मशहूर मुरादाबाद के लिए महायोजना 2031 लेकर आई है। इसके अंतर्गत जहां एक तरफ शहर का विस्तार और विकास सुनिश्चित किया जाना है, वहीं इसकी पहचान और ओडीओपी में शामिल पीतल हैंडीक्राफ्ट के निर्माण और निर्यात उद्योग को भी बढ़ाने का कार्य किया जाएगा। सीएम योगी आदित्यनाथ की मंशा है कि मुरादाबाद को वाइब्रेंट इकोनॉमिक हब के रूप में विकसित किया जाए। यहां पीतल उद्योग से जुड़े आर्टिजन के लिए हस्तशिल्प ग्राम बनाने के साथ ही मेगा एमएसएमई पार्क के निर्माण का प्रस्ताव भी है। यही नहीं औद्योगिक और लॉजिस्टिक पार्क के जरिए मुरादाबाद के औद्योगिक विकास को गति देने की तैयारी है। हाल ही में मुख्यमंत्री के सामने अधिकारियों ने मुरादाबाद महायोजना 2031 को प्रस्तुत किया है।

इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का होगा विकास

महायोजना में इस बात का उल्लेख है कि वर्तमान में 13,14,914 की आबादी वाले शहर की जनसंख्या 2031 में तकरीबन 16,66,404 हो जाएगी। इसे ध्यान में रखते हुए मुरादाबाद की भावी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सुदृढ़ आर्थिक आधार का निर्माण, सामाजिक-सांस्कृतिक एवं भौतिक इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं का विकास किया जाना है। साथ ही साथ नगर के पर्यावरण का संरक्षण करते हुए सतत और नियोजित विकास को बढ़ावा देना है।

इसमें ट्रैफिक प्लान को सुदृढ़ करने पर भी बल दिया जाएगा। ट्रैफिक डीकंजेशन के लिए 60 मीटर चौड़े रिंग रोड का प्रावधान है। वहीं विकास क्षेत्र से बाहर एसईजेड को नगर के अंदर मौजूद औद्योगिक क्षेत्र से जोड़ने के लिए 36 मीटर चौड़े औद्योगिक गलियारे का भी विकास किया जाएगा।

1200 हेक्टेयर में मेगा टाउनशिप शिवालिक का प्लान

मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत रिपोर्ट में मुरादाबाद में हस्तशिल्प ग्राम, मेगा एमएसएमई क्लस्टर, इंडस्ट्रियल लॉजिस्टिक पार्क, नॉलेज सिटी व मेडीसिटी के साथ ही 55 एकड़ में उत्तर प्रदेश राज्य विश्वविद्यालय के निर्माण की बात भी कही गई है।

इसके अलावा औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए कौशल विकास केंद्र, निर्यातकों व निवेशकों की सुविधा के लिए ऑडिटोरियम और कन्वेंशन सेंटर, 1200 हेक्टेयर में मेगा टाउनशिप शिवालिक और 130 हेक्टेयर में औद्योगि व मिश्रत तथा 50 हेक्टेयर में आवासीय आत्याधुनिक टाउनशिप का भी प्रस्ताव है। इसके साथ ही स्पोट्स सिटी, आयुष पार्क, शुगरकेन प्रोसेसिंग क्लस्टर, कैटल कॉलोनी, मत्स्य मंडी और ट्रांसपोर्ट नगर का भी प्रस्ताव है। महायोजना 2031 के लिए मुरादाबाद में वर्तमान में 18017 करोड़ रुपए की शॉर्ट टर्म, 13027 करोड़ रुपए की मिडियम टर्म और 10749 करोड़ रुपए की लॉन्ग टर्म परियोजनाएं संचालित हैं।

दुनियाभर में होता है पीतल से बनी कलाकृतियों का निर्यात

बता दें कि मुरादाबाद जोकि पीतल नगरी के रूप में विख्यात है और यहां के पीतल उत्पादों पर बने डिजाइन संस्कृति, विरासत, इतिहास और विविधता को विश्वभर में प्रदर्शित करते हैं।

इन वस्तुओं को सजाने के लिए उपयोग किये जाने वाले पैटर्न और डिजाइन विभिन्न स्त्रोतों से प्रेरित होते हैं, जिनमें हिन्दू देवी-देवताओं से लेकर मुगलकाल की पेंटिंग तक शाम हैं। यहां से विश्वभर में पीतल के उत्पाद निर्यात किये जाते हैं।

स्कोडा की कुशाक और स्लाविया की कीमतों में भारी कटौती

नयी दिल्ली। यात्री वाहन बनाने वाली प्रमुख कंपनी स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपने दो प्रमुख वाहनों कुशाक और स्वालिया की कीमतों में क्रमशः 2.19 लाख रुपये तक और 94 हजार रुपये तक की कटौती करने की आज घोषणा करते हुये कहा कि ये विशेष एक्स शोरूम मूल्य सीमित अवधि के लिए है।

कंपनी ने आज यहां कहा कि इस कमी के बाद स्लाविया की एक्स शोरूम कीमत 10.69 लाख रुपये से लेकर 18.69 लाख रुपये तक हो गयी है। स्लाविया की कीमतों में 36 हजार रुपये से लेकर 94 हजार रुपये तक की कटौती की गयी है। इसी तरह से कुशाक की कीमत में 2.19 लाख रुपये तक की कटौती के बाद इसकी एक्स शोरूम कीमत 10.89 लाख रुपये से लेकर 18.79 लाख रुपये तक हो गयी है।

हालांकि वाहनों के इंजन में कोई बदलाव नहीं किया गया है और ये दोनों वाहन एक लीटर पेट्रोल और 1.5 लीटर टुब्रो पेट्रोल इंजन में उपलब्ध है।

उसने कहा कि ब्रैंड को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने की पहलों को जारी रखते हुए सीमित अवधि के लिए कुशाक और स्लाविया की नई कीमतों की घोषणा की गयी है। इससे उपभोक्ताओं की स्कोडा ऑटो इंडिया की उन गाड़ियों तक पहुंच बढ़ी है, जिन्हें 5 स्टार रेटिंग दी गई है और जो कार में बैठे वयस्कों और बच्चों की सुरक्षा के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक पेट्र जेनबा ने कहा, हम भारत में लगभग 25 सालों से है और इस मार्केट को लेकर हमारी प्रतिबद्धता अटूट है।

हम अपने प्रॉडक्ट में लगातार नए फीचर्स पेश करने के लिए तत्पर रहते हैं और इसी के अनुसार कदम उठाते हैं। हमने 2025 के लिए प्लान की गई ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा की है। इसलिए हमने यह सोचा है कि इस नई कार के साथ हम नए बाजारों में जाएंगे, युवा ग्राहकों तक पहुंच बनाएंगे और ब्रांड की पहुंच बढ़ाने की कोशिश करेंगे। नई कॉम्पैक्ट एसयूवी से हमारे लिए नए बाजारों के दरवाजे खुलेंगे। हमने कुशाक और स्लाविया में कुछ एफिशिएंसीज भी हासिल की हैं और लाभों को उपभोक्ताओं एवं फैंस तक पहुंचाया है।

पिछले वर्ष डीआरआई ने जब्त कीं 3500 करोड़ की प्रतिबंधित सामग्रियां

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने पिछले वित्त वर्ष में तस्करी के 623 मामलों का पता लगाया और 3500 करोड़ रुपये की प्रतिबंधित सामाग्रियां जब्त कीं। जब्त की गई सामग्रियों में सबसे ज्यादा ड्रग्स और सोना बरामद हुआ।

दरअसल डीआरआई के प्रधान महानिदेशक मोहन कुमार सिंह भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की एक संगोष्ठी को संबोधित किया। देश में सबसे ज्यादा ड्रग्स और गोल्ड की स्मगलिंग होती है। उन्होंने कहा कि स्मगलिंग को रोकने के लिए सप्लाई चेन को तोड़ना बहुत जरूरी है और यह सबसे बड़ी चुनौती भी है।

डीआरआई ने पिछले वित्तीय वर्ष में कई सारी प्रतिबंधित सामग्रियों का पता लगाया। डीआरआई के प्रधान महानिदेशक मोहन कुमार सिंह ने बृहस्पतिवार को कहा, आपूर्ति श्रृंखलाओं में घुसपैठ तस्करी पर अंकुश लगाने में एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। इन वस्तुओं की तस्करी के लिए हवाई यात्रियों, कोरियर और डाक कार्गो का इस्तेमाल किया जाना भी चिंता का विषय है।

डीआरआई ने 623 तस्करी के मामलों का पता लगाया था। इसका मतलब है कि हर दिन औसतन 2 मामले सामने आते थे। तस्करी में डीआरआई ने 3,500 करोड़ रुपये जब्त किये थे।

शार्ट न्यूज

एपीवाई पूरे देश में व्यापक रूप से लागू

नयी दिल्ली। अटल पेंशन योजना (एपीवाई) को पूरे देश में व्यापक रूप से लागू किया गया है, जिसमें सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेश शामिल हैं और इस योजना के तहत कुल सकल नामांकन 20 जून 2024 तक 6.62 करोड़ को पार कर गया है जिनमें 1.22 करोड़ से अधिक नए अभिदाता शामिल है। पेंशन निधि विनियामक और विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के अध्यक्ष डॉ दीपक महान्ती ने आज यहां यह जानकारी देते हुये कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में 1.22 करोड़ से अधिक नये नामांकित हुए हैं। इस योजना ने सकल नामांकन में 24 प्रतिशत की प्रगति वित्त वर्ष 2023-24 में हासिल की। एपीवाई देश की महिला आबादी और युवा पीढ़ी के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। वित्तवर्ष 2023-24 में कुल नामांकन में से 52 प्रतिशत महिला अभिदाताएँ हैं और कुल सकल नामांकन में से 70 प्रतिशत अभिदाता 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग से है। डॉ महान्ती ने पीएफआरडीए द्वारा आयोजित वार्षिक एपीवाई सम्मान कार्यक्रम में यह जानकारी दी। कार्यक्रम में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान पीएफआरडीए / डीएफएस द्वारा आयोजित विभिन्न अभियानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं वार्षिक लक्ष्य के लिए 49 एपीवाईएसपी (बैंक), 9 एसएलबीसी और देश की पांच शीर्ष शाखाओं के साथ ही एलडीएम को सम्मानित किया गया।

2000 टन गैर बासमती चावल अफ्रीकी देशों को निर्यात; एक साल में गेहूं के दाम दो फीसदी बढ़े

दो अफ्रीकी देश मलावी और जिम्बाब्वे को दो हजार टन गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात के लिए अनुमति दी है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा, यह निर्यात राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड के जरिये होगा। वहीं घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने के लिए 20 जुलाई, 2023 से गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा है। हालांकि अनुरोध पर कुछ देशों को उनकी खाद्य सुरक्षा जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा दी गई अनुमति के आधार पर निर्यात की मंजूरी है। भारत ने पहले भी नेपाल, कैमरून, कोट डी आइवर, गिनी, मलयेशिया, फिलीपीन और सेशेल्स जैसे देशों को ऐसे निर्यात की अनुमति दी है। वहीं दूसरी ओर देश में पिछले एक साल में गेहूं की कीमतें दो फीसदी तक बढ़ी है। गेहूं की कीमतों में स्थिरता लेकर आने के लिए सरकार उपयुक्त नीतिगत हस्तक्षेप करेगी। इसके लिए गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में मंत्रियों की समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक के बाद सरकारी बयान के अनुसार उन्होंने अधिकारियों को गेहूं की कीमतों पर कड़ी नजर रखने का निर्देश दिया है। बता दें कि इस समय गेहूं की औसत कीमत 30.99 रुपये है, जो कि एक साल पहले 28.95 रुपये प्रति किलो थी। वहीं आटे के दाम 34.29 रुपये से बढ़कर 36.13 रुपये हो गए है।

आईपीओ में बढ़ रही धांधली पर लगेगी रोक

सेबी ने आईपीओ में बढ़ रही धांधली पर रोक लगाने के लिए कमर कस ली है। इसके लिए नियामक ने स्टॉक एक्सचेंजों को प्री-ओपन कॉल नीलामी सत्र में दुरुपयोग रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया है। आईपीओ शेयरों के कारोबार में लगातार धांधली बढ़ रही है। इस बढ़ती धांधली पर अब रोक लगाई जाएगी। इसके लिए सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों को प्री-ओपन कॉल नीलामी सत्र में दुरुपयोग रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया है। आईपीओ शेयरों के कारोबार में बढ़ती धांधली पर रोक लगाई जाएगी। इसको रोकने के लिए सेबी ने स्टॉक एक्सचेंजों को प्री-ओपन कॉल नीलामी सत्र के दुरुपयोग रोकने के लिए निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। जारी निर्देश के तहत आईपीओ के शेयरों का पहले दिन का कारोबार सत्र सुबह नौ से 10 बजे तक होगा। इसमें 45 मिनट ऑर्डर एंट्री, बदलाव और रद्दीकरण के लिए होगा। 10 मिनट ऑर्डर मिलान और व्यापार पुष्टिकरण के होंगे। 5 मिनट प्री-ओपन से सामान्य सत्र में जाने के लिए होगा। बता दें कि सेबी ने हाल में अपनी जांच के दौरान पाया कि कुछ आईपीओ शेयरों के लिए प्री-ओपन सत्र में कॉल नीलामी के दौरान बड़ी मात्रा में ज्यादा भाव पर ऑर्डर दिए गए थे। इससे शेयरों की कीमतों में हेरफेर कर आम निवेशकों को चूना लगाया जाता था।

क्रिप्टो एक्सचेंज बिनांस पर 18.8 करोड़ जुर्माना

वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने मनी-लॉन्ड्रिंग विरोधी कानून के उल्लंघन के मामले में दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बिनांस पर 18.82 करोड़ का जुर्माना लगाया है। दरअसल बिनांस को 28 दिसंबर, 2023 को नोटिस जारी किया गया था। वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू) ने मनी-लॉन्ड्रिंग विरोधी कानून के उल्लंघन के मामले में दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टो एक्सचेंज बिनांस पर 18.82 करोड़ का जुर्माना लगाया है। बिनांस को मनी लांड्रिंग के तहत एफआईयू के साथ पंजीकृत होना चाहिए था, लेकिन यह नहीं है। क्रिप्टो एक्सचेंज भारत से संचालित होता है। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने अप्रैल में रिकॉर्ड 18.92 लाख सदस्य जोड़े हैं। यह अप्रैल, 2018 के बाद सबसे अधिक है। इसमें 55.50 फीसदी सदस्यों की उम्र 18-25 वर्ष की है। सालाना आधार पर नए सदस्यों में 10 फीसदी की तेजी आई है। जनरल अटलांटिक और एशिया अपॉर्च्यूनिटीज ने पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस में 4.9 फीसदी हिस्सा बेच दिया है। यह हिस्सा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर थोक सौदे के तहत 1,004 करोड़ रुपये में बेचा गया है। शेयरों की बिक्री 786.46 से 787.88 रुपये के भाव पर हुई है। रियल एस्टेट डेवलपमेंट कंपनी केबीसी ग्लोबल को पूर्वी अफ्रीका की सीआरजेई से दो करोड़ डॉलर (167 करोड़ रुपये) का ऑर्डर मिला है।

हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न से रिकॉर्ड 25 भारतीय स्टार्टअप बाहर; 38 नई कंपनियों को मिली जगह

हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न सूची-2024 में रिकॉर्ड 25 भारतीय स्टार्टअप बाहर हो गए हैं। तब जब देश के फ्यूचर यूनिकॉर्न का कुल मूल्यांकन बढ़कर 58 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। ये सालाना आधार पर 1.8 फीसदी की वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि 38 नए स्टार्टअप (फ्यूचर यूनिकॉर्न) इस सूची में पहली बार शामिल हुए हैं। एएसके प्राइवेट वेल्थ हुरुन इंडिया फ्यूचर यूनिकॉर्न सूची-2024 बृहस्पतिवार को जारी की गई। इसके मुताबिक फंडिंग विंटर, वित्तीय नियामकों की ओर से की गई कार्रवाई और उद्यमों की लाभप्रदता के प्रति पूर्वाग्रह की वजह से ये स्टार्टअप बाहर हुए हैं। 25 स्टार्टअप में पांच गजेल (50 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्यांकन) और 20 चीता (20 करोड़ डॉलर से अधिक मूल्यांकन) भी शामिल हैं, जिनमें तीन से पांच साल में यूनिकॉर्न बनने की संभावना थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 की सूची में जो 38 नए स्टार्टअप शामिल हुए हैं, उनमें सात गजेल और 37 चीता शामिल हैं। अभी देश में कुल 67 यूनिकॉर्न देश में यूनिकॉर्न और गजेल की संख्या में गिरावट आई है। हालांकि चीता की संख्या बढ़ी है। वर्तमान में भारत में कुल 67 यूनिकॉर्न है, जिनकी संख्या 2023 में 68 थी। गजेल की संख्या भी 2023 के 51 की तुलना में घटकर 46 रह गई है।

क्रेडिट कार्ड असुरक्षित लोन दर घटकर 23 प्रतिशत; कार्रवाई से बैंकिंग-वित्तीय क्षेत्र पर संकट टला

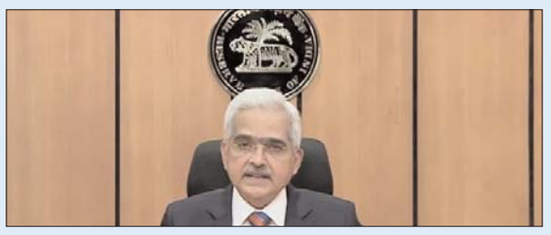

नई दिल्ली। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास का कहना है कि असुरक्षित कर्ज पर कार्रवाई नहीं करने से बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र में बड़ा संकट पैदा हो सकता था, जिसे हमने टाल दिया। दास ने बृहस्पतिवार को वित्तीय मजबूती पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कहा, यस बैंक में गड़बड़ियों पर हम 2016 से ही निगरानी कर रहे थे। आखिरकार 2018 में इसे बेलआउट कर बैंकिंग क्षेत्र में संभावित बड़े संकट को टाल दिया। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर मुख्य मानदंड अच्छे दिख रहे हैं। लेकिन, कुछ ऋणदाताओं के बीच असुरक्षित कर्ज को बढ़ावा देने के लिए अंधी दौड़ में शामिल होने की मानसिकता के स्पष्ट सबूत हैं। अगर इन पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह एक बड़ी समस्या बन सकती हैं। आरबीआई गवर्नर ने कहा, इस तरह की गतिविधियों पर केंद्रीय बैंक की कार्रवाई से असुरक्षित कर्ज में वृद्धि की रफ्तार धीमी हुई है और इसका वांछित प्रभाव भी देखने को मिल रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in